Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 215 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 13 फरवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

नम्रता से देवता भी मनुष्य को वश में हो जाते हैं।

God come in the command from amenity

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

41 साल पहले सिख दंगा के एक और केस में सज्जन कुमार दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख दंगा के एक और केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दोषी करार दिया। कोर्ट 18 फरवरी को सजा सुनाएगी। इस मामले में 41 साल बाद फैसला आया है। यह केस 1984 सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या से जुड़ा है। दिल्ली दंगों में सज्जन के खिलाफ 3 से ज्यादा केस चल रहे हैं। एक में वे बरी हो चुके हैं। इससे पहले दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन्हें हिंसा कराने और दंगा भड़काने का दोषी पाया था और उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फिलहाल सज्जन तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं।

शराब घोटाला अरुणपति त्रिपाठी को मिली सुप्रीम कोर्ट से जमानत

रायपुर (विस)। कथित शराब घोटाले के आरोपी अरुणपति त्रिपाठी को ईडी की ओर से दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत तो मिल गई है लेकिन फिर भी वे जेल के अंदर ही रहेंगे क्योंकि ईओडब्ल्यू में अभी एक और मामला चल रहा है। पिछले 1 साल से ज्यादा समय से अरुणपति त्रिपाठी जगदलपुर के जेल में बंद है। अरुणपति के खिलाफ झारखंड में भी शराब घोटाले का आरोप है। त्रिपाठी के खिलाफ ईडी और ईओडब्ल्यू भी जांच कर रही है।

राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ

यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक : राज्यपाल

रायपुर (विश्व परिवार)। त्रिवेणी संगम राजिम के पावन तट पर नवीन मेला मैदान राजिम-चौबेबांधा में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

राजिम। त्रिवेणी संगम राजिम के पावन तट पर नवीन मेला मैदान राजिम-चौबेबांधा में आयोजित राजिम कुंभ कल्प मेला के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक चलने वाले 15 दिवसीय राजिम कुंभ कल्प के शुभारंभ अवसर पर मुख्य मंच में राज्यपाल श्री डेका एवं मौजूद अतिथियों और संतों ने भगवान राजीव लोचन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद लिया। साथ ही प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजिम की इस पावन भूमि पर जहां महानदी, पैरी और सोंढूर का संगम होता है, वहां एक महत्वपूर्ण आयोजन के साक्षी बनने के लिए हम सभी एकत्र हुए हैं। यह माघी मेला, जिसे हम सभी 'कल्प कुंभ' के नाम से जानते हैं, यह हमारी समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक है। हमारे छत्तीसगढ़ का यह मेला न केवल श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, बल्कि समाज में एकता, समरसता और परम्परा का सरंक्षण का भी संदेश देता है।

राजीव लोचन मंदिर हमारी आस्था का प्रमुख प्रतीक : राज्यपाल ने कहा आगे कि, राजिम, सदियों से संतों और भक्तों का केंद्र रहा है। यहां का प्रसिद्ध राजीव लोचन मंदिर, जो भगवान विष्णु को समर्पित है, हमारी आस्था का प्रमुख प्रतीक है। इसके अलावा, भगवान कुलेश्वर महादेव, रामचंद्र पंचेश्वर महादेव, भूतेश्वर महादेव, सोमेश्वर महादेव जैसे प्राचीन मंदिर हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की गहराई को दर्शाते हैं। इन मंदिरों की वास्तुकला भी हमारे इतिहास की समृद्धि को प्रकट करती है।

मार्सिले में भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भारत-फ्रांस संबंधों का नया अध्याय : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मार्सिल में भारतीय वाणिज्य दूतावास का खुलना एक 'ऐतिहासिक क्षण है और यह भारत-फ्रांस संबंधों में एक नया अध्याय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, मार्सिले में एक ऐतिहासिक क्षण! राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और मैंने इस जीवंत शहर में भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया, जो भारत-फ्रांस संबंधों में एक नया अध्याय है। यह वाणिज्य दूतावास एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में काम करेगा, जो हमारे सांस्कृतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, भारत के साथ मार्सिले के संबंध सर्वविदित हैं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान यह भारतीय सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण बेस था। इस शहर का वीर सावरकर से भी गहरा संबंध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में सावरकर को याद किया

पेरिस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फ्रांस दौरे पर तीसरा दिन है। वे मंगलवार की रात फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फ्रांस के दूसरे सबसे बड़े शहर मार्से पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने स्वंतत्रता सेनानी वीर सावरकर को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह शहर भारत की आजादी में खास महत्व रखता है। दरअसल, सावरकर को 1910 में नासिक षड्यंत्र मामले के तहत लंदन में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें जहाज से भारत लाया जा रहा था। जब उनका जहाज मार्से के पास पहुंचा तो उन्होंने समंदर में छलांग लगा दी और तैरकर तट तक पहुंच गए। मार्से में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- चुनाव के वक्त फ्रीबीज का ऐलान गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं (फ्रीबीज) पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं।

कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय, क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं?

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच शहरी इलाकों में बेघर लोगों को आसरा दिए जाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अब 6 हफ्ते बाद दोबारा इस याचिका पर सुनवाई होगी।

यह पहली बार नहीं है जब कोर्ट ने फ्रीबीज को लेकर सख्त

टिप्पणी की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर 2024 को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा।

सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही? तब कोर्ट अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र ने अदालत को बताया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है।

राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास का निधन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास का लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। आचार्य सत्येन्द्र दास को 2 फरवरी को ब्रेन स्ट्रोक के बाद गंभीर हालत में 3 फरवरी को न्यूरोलॉजी वार्ड के एचडीयू में भर्ती कराया गया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 4 फरवरी को आचार्य सत्येन्द्र दास के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए एसजीपीजीआईएमएस का दौरा किया। 6 दिसंबर 1992 को जब बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी तब भी दास मुख्य पुजारी थे।

भारत ने इंग्लैंड को 142 रन से तीसरा वनडे हराया

सीरीज 3-0 से जीती, शुभमन गिल की सेंचुरी; हर्षित-अर्शदीप को 2-2 विकेट

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बुधवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लिश टीम 34.2 ओवर में 214 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत से ओपनर शुभमन गिल ने सेंचुरी लगाई। श्रेयस अय्यर ने 78, विराट कोहली ने 51 और केएल राहुल ने 40 रन बनाए। हर्षित राणा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को 2-2 विकेट मिले। इंग्लैंड से एक भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, आदिल रशीद ने 4 विकेट लिए।

एनटीपीसी NTPC

50 वर्षों से विद्युत विकास में समर्पित

Indian Power Stations

77+ गीगावॉट स्थापित क्षमता के साथ, एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी है, जो देश के हर कोने को रौशन करने और सभी के लिए एक स्थायी भविष्य बनाने के लिए समर्पित है। एनटीपीसी उद्योगों को विद्युत प्रदान करती हुई, सामुदायिक विकास और जन-जीवन की उन्नति को असंख्य तरीकों से प्रभावित करती है। एनटीपीसी, एक विश्वसनीय ऊर्जा लीडर के रूप में सभी के लिए स्वच्छ, सतत विद्युत और वर्ष 2047 तक *विकसित भारत* की दिशा में अग्रसर भारत की यात्रा में योगदान कर रही है।

अनंत संभावनाओं के गौरवशाली 50 वर्ष

भारतीय विद्युत स्टेशन ओ एंड एम सम्मेलन

आईपीएस-2025

विषय

विश्वसनीय और सतत उत्पादन, परिसंपत्ति प्रबंधन और ऊर्जा परिवर्तन

दिनांक : 13 से 15 फरवरी 2025

स्थान : पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज के पास, ग्रेट ईस्टर्न रोड, रायपुर, छत्तीसगढ़-492010

आईपीएस-2025 अनुसूची

13 फरवरी गुरुवार
- उद्घाटन सत्र
- तकनीकी सत्र
- प्रदर्शनी

14 फरवरी शुक्रवार
- तकनीकी सत्र
- प्रदर्शनी
- समापन सत्र

15 फरवरी शनिवार
- प्रदर्शनी
- प्रदर्शकों द्वारा प्रस्तुति

संक्षिप्त समाचार

माघी पूर्णिमा पर करणी सेना ने की भव्य खारुन गंगा महाआरती, उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 12 फरवरी 2025, बुधवार की संध्या को महादेव घाट रायपुर में प्रतिदिन होने वाली खारुन गंगा महाआरती अत्यंत भव्य रूप से संपन्न हुई। माघ पूर्णिमा के अवसर पर करणी सेना छत्तीसगढ़ एवं माँ खारुन गंगा महाआरती महादेव घाट जनसेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में करणी सेना एवं समिति प्रमुख वीरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में भव्य रूप से खारुन गंगा महाआरती की गई। विशाल आस्था और पर्यटन के साझा रूप में विकसित होता यह लोक उत्सव बनारस के बाद पूरे भारत में केवल छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के महादेव घाट में संपन्न हो रहा है। और यही नहीं बनारस से एक कदम आगे चलकर खारुन गंगा महाआरती ने 4-4 विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम पर दर्ज कर लिए हैं। प्रतिमाह के भव्य आयोजन के ही तरह इस बार भी आरती से पूर्व सभी आगंतुक श्रद्धालुओं ने खारुन के साथ ही भारत की समस्त नदियों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया एवं तत्पश्चात सम्पूर्ण विधि विधान से प्रशिक्षित ब्राह्मणों द्वारा खारुन गंगा मैया की आरती की गई। ज्ञात हो कि पिछले एक माह से प्रतिमाह होने वाली यह आरती प्रतिदिन होने लगी है जिसमें सम्मिलित होकर प्रतिदिन श्रद्धालु पुण्यलाभ प्राप्त कर सकते हैं। समिति प्रमुख वीरेन्द्र सिंह तोमर इस आरती को सनातन संस्कृति के प्रसार और पर्यावरण के प्रति जन जागरूकता का एक अहम प्रयास मानते हैं।

मतदान करने के लिए मोहन साहू ने जनता का जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। वार्ड क्रमांक 11 डॉक्टर भीमराव आंबेडकर में विकास के पहिए पर इस क्षेत्र को चलना बाकी है। आप सबका वार्डवासियों का धन्यवाद। आप सबने मतगणना के दिन लोकतंत्र के इस पूर्व में आप सबने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया उसके लिए पुनः आप सभी का धन्यवाद। आपका वोट दिखाता है कि आप मुझ पर अपनी आवाज बनने का भरोसा करते हैं और आपने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, उसके लिए आप सभी का आभार। आप सभी के इस योगदान से मुझे मेरे क्षेत्रवासियों का सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त होगा, इससे मैं बहुत खुश हूं। आप सबका आभार। आप सभी को साथ लेकर अपनी वार्ड को तेज़ गति से आगे ले जाएंगे आप सभी का पुनः धन्यवाद!

वार्ड क्रमांक-63 की जनता को धन्यवाद, आपका वोट मेरे लिए बहुत मायने रखता है : प्रमोद साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। देवतुल्य मतदाताओं का भाजपा में विश्वास जताने के लिए हार्दिक आभार। आपके सहयोग एवं विश्वास से भाजपा शहरी निकायों के सर्वांगीण विकास हेतु सदा अपनी भागीदारी सक्रियता से निभाती रहेगी। वार्ड क्रमांक 63 की जनता का ध्यन्यवाद। आपका वोट मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह मुझे यानि प्रमोद साहू दिखाता है कि आप मेरी बात पर विश्वास करते हैं और मैं जो कुछ भी करता हूँ उसमें आप मेरा समर्थन करते हैं। मुझ पर आपके विश्वास और मुझे इस पद के लिए चुनने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

विजेंद्र कुमार अग्रवाल का निधन

रायपुर (विश्व परिवार)। न्यू शांति नगर, रायपुर निवासी श्री विजेंद्र कुमार अग्रवाल उम्र 85 वर्ष (सेवा निवृत सहायक अभियंता जल संसाधन विभाग) का देहावसान आज शाम को हो गया है,वे संदीप अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल के पिता थे। अंतिम यात्रा कल 13 फरवरी 2025 को सुबह 11 बजे निवास स्थान न्यू शांति नगर पुराने स्टेट बैंक के पास गली नंबर 4, से मारवाड़ी मुक्तिधाम जाएगी।

शोकाकुल- भाई- शैलेन्द्र अग्रवाल, पुत्र- संदीप अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, दामाद- अनिल कुमार गुप्ता, पुत्री- संगीता गुप्ता, पौत्र- अंशुल अग्रवाल, मयंक अग्रवाल। 883968376 शैलेन्द्र अग्रवाल, 9425206943 संदीप अग्रवाल, 9754312003 प्रदीप अग्रवाल।

गृहमंत्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली (पीआईबी)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में 'सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए नई और वर्तमान में की जा रही पहलें' विषय पर सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल और मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्यों, केन्द्रीय सहकारिता सचिव और सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समिति ने बैठक में सहकारिता मंत्रालय द्वारा अपनी स्थापना के बाद से सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए की गई और वर्तमान में की जा रही पहलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश भर के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मानना है कि सहकारिता के माध्यम से रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि दोनों संभव है।

अमित शाह ने कहा कि देश की आज़ादी के कुछ वर्षों बाद तक सहकारिता आंदोलन मजबूत स्थिति में था, लेकिन बाद में ज़्यादातर राज्यों में यह कमजोर होता गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद हमने सबसे पहले राज्यों के साथ मिलकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) का डेटाबेस बनाने का काम किया और दो लाख PACS के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित करने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब देश भर की सहकारी समितियों की क्षेत्रवार जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध है। श्री शाह ने कहा कि PACS के कंप्यूटरीकरण के लिए कदम उठाये गये। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां PACS उपलब्ध नहीं हों। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि PACS को "viable" बनाने के लिए बनाए गये बायलॉज़ को देश के लगभग सभी राज्यों ने अपनाया है।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने सफाई एवं राजस्व वसूली प्राथमिकता से करने के दिए निर्देश

मतदान प्रक्रिया में दायित्व अच्छी तरह निर्वहन करने अधिकारियों, कर्मचारियों को किया प्रोत्साहित

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में आवश्यक बैठक लेकर अपर आयुक्त सर्वश्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, यू. एस. अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, पंकज शर्मा, श्रीमती कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता श्री यू. के. धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, श्री संजय बागड़े, श्री बद्री चंद्राकर, उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा, डॉक्टर दिव्या चंद्रवंशी, श्री जसदेव सिंह बाबरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, राजस्व अधिकारी श्री खीरसागर नायक, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, कार्यपालन अभियंता स्वच्छ भारत मिशन श्री रघुमणि प्रधान, सहायक अभियंता श्री योगेश कडु, सहायक राजस्व अधिकारियों, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में लेते हुए नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होने पर नगर निगम रायपुर के सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग और रायपुर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के निर्देश पर दिए गए प्रशासनिक दायित्वों का अच्छी तरह निर्वहन करने पर उनको प्रोत्साहित किया. आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को सफाई एवं राजस्व वसूली के कार्य को प्राथमिकता से करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान का कार्य एवं आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता से किये जाने के निर्देश दिए गए हैं. आयुक्त ने नगर पालिक निगम रायपुर के सभी बड़े बकायादारों से शत-प्रतिशत बकाया राजस्व वसूली उन्हें जारी किये गए डिमांड बिल अनुसार प्राथमिकता से नगर निगम हित में किये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं. सभी मुख्य मार्गो की सफाई व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त बनाये रखने का कार्य प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग करके सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. खाली भूखंडों पर कचरा फेंकने पर जुर्माना की कार्यवाही कर वहाँ भविष्य में कचरा ना फेंके जाने हेतु सम्बंधित भूखंड धारकों को नोटिस देकर ग्रीन नेट लगवाए जाने की व्यवस्था सम्बंधित भूखंड धारकों के व्यय से सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया गया है.

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने किया मतदान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री व प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने रायपुर नगर निगम महापौर एवं पार्षद के निर्वाचन हेतु शंकर नगर जोन क्रमांक 3 स्थित मतदान केंद्र में सपरिवार मतदान किया एवं प्रदेशवासियों से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

वार्ड की जनता द्वारा मेरे पक्ष में किए गए मताधिकार के लिए जीवन पर्यंत आभारी रहूंगी : पुष्पा रोहित साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। खम्हारडीह के नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड क्रमांक 31 से भारतीय जनता पार्टी की महिला प्रत्याशी श्रीमती पुष्पा रोहित साहू ने आज वार्ड वासियों द्वारा उनके पक्ष में किए गए मताधिकार के लिए वार्ड वासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में भी वार्ड वासियों द्वारा उनके एवं उनके परिवार को दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया साथ ही समस्त वार्ड वासियों शुभचिंतकों, भारतीय जनता पार्टी के सभी सम्माननीय कार्यकर्ताओं द्वारा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से किए गए सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया एवं आशा व्यक्त की जिस प्रकार आपने अपना अमूल्य मत देकर मुझे सहयोग किया है मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि भविष्य में मैं आपके द्वारा दिए गए अमूल्य मत का सम्मान करते हुए सदैव आपके विश्वास पर खरा उतरूंगी एवं आप सभी के समस्याओं के निराकरण एवं वार्ड के विकास के लिए सदैव तत्पर रहूंगी पुनः आप सभी का धन्यवाद।

छत्तीसगढ़ की पहली आधुनिक मशीन एनटलिया प्रो मशीन से फेफड़े का बेहतरीन ईलाज की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा में स्थित वृन्दा चेस्ट×एलर्जी केयर में रायपुर के प्रसिद्ध एलर्जी एवं अस्थमा के डॉक्टर डॉ. केदारनाथ देवांगन ने बताया कि हमारे यहाँ सभी प्रकार के एलर्जी का जैसे (Skin Running Nose, cough) इसके अलावा छत्तीसगढ़ की पहली आधुनिक मशीन एनटलिया प्रो द्वारा फेफड़े के सभी प्रकार के रोगों का इलाज इस मशीन को सभी मरीज एवं बच्चे व बुजुर्ग टेस्ट कर सकते है। मशीन में टेस्ट करने के लिए नॉर्मल सास की जरूरत है एनटलिया प्रो मशीन से फेफड़े में क्या तकलीफ है देखकर सही तरीके से ट्रीटमेन्ट कर इलाज कर सकते है फेफड़े की बीमारी का इलाज इस मशीन से पता कर सकते है (C O P D, अस्तमा, IID) इससे सिगरेट तमाखू फेफड़े सिकुड़ने की बीमारी का इलाज किया जा सकता है फेफडे में होने वाली बीमारी का इस मशीन से इलाज संभव है कि नही और रोग का निदान कितने समय मे होगा यह पता कर सकते है इस मशीन से श्वास की छोटी छोटी नलियों में कितनी दिक्कत है बता सकते है जो कि सिटी स्कैन में भी पता नही चलता। (श्वाश, छाती, एलर्जी एवं निद्रा रोग विषेयज्ञ) द्वारा मरीजो को एलर्जी एवं अस्थमा के रोगों का सफल इलाज किया जा रहा है। उक्त केयर सेन्टर में दस हजार से अधिक मरीजो के एलर्जी अस्थमा की दवा इम्मुनोथेरपी से बंद हुई है।

डॉ देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे हॉस्पिटल में सभी प्रकार की एलर्जी जैसे- अस्थमा- न्यूमोनिया, गहन रोग सी.ओ.पी.डी. (फेफड़ा फैलना) शुगर ILD (फेफड़ा सिकुड़ना), ब्लड प्रेशर निद्रा रोग (Sleep Study) लंबी सर्दी खांसी एवं सांस की समस्या दूरबीन द्वारा फेफड़े की जांच बच्चों में बार-बार सर्दी खांसी का ईलाज बेहतर चिकित्सा सविधा द्वारा किया जाता है। वृन्दा चेस्ट×एलर्जी केयर प्रातः 10 से 3 बजे एवं शाम 6 बजे 9 बजे तक एवं रविवार को प्रातः 10 से 1 बजे तक खुला रहेगा। डॉ केदारनाथ देवांगन छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा हेल्थ अवार्ड से भी सम्मानित हो चुके है।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 785 दिनांक 12.02.2025
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 13 मांग **पंजी क्र. 82 युआईडी 16657** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **विरेन्द्र साहू/ तुकाराम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ग्यानू साहू / बिरेन्द्र कुमार साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 786 दिनांक 12.02.2025
वार्ड का नाम-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड
वार्ड क्र. 02 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 02 मांग **पंजी क्र. 02 युआईडी 10804** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **रामभरोसा / सदई** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **पिला राम टंडन / स्व. राम भरोसा टंडन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 787 दिनांक 12.02.2025
वार्ड का नाम - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड
वार्ड क्र. 02 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 02 मांग **पंजी क्र. 02 युआईडी 10803** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पिला राम टंडन / स्व. राम भरोसा टंडन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मीना धृतलहरे / राजनारायण धृतलहरे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 788 दिनांक 12.02.2025
वार्ड का नाम - शहिद भगत सिह वार्ड
वार्ड क्र. 24 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 24 मांग **पंजी क्र. 485 युआईडी 34665** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **एनुल हक, जैनुल /मंसूर हक** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **नवनीत सिंह / रामचन्द्र सिंह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18111/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18111
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G00716** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MALTI KAHADE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH KAHADE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHEIKH MOHAMMAD YASIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHEIKH MOHAMMAD RAIF** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18112/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18112
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F0122D** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MS SHREE LAXMI CONSTRUCTION BY RAJKUMAR DHANGAR AND OTHERS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJKUMAR DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PREETI NIRMAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MUKESH NAG** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18167/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18167
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652T00034** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAULAT RAM DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE JHUMUK LAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJKUMAR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAMSHARAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMABIKRINAMA & SAPATH PATRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18169/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18169
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652C00006** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAM NIVAS KESHARWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAN LAL KESHARWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMAD ZAHID** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD RIYAZ** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMABIKRINAMA & SAPATH PATRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर

पत्र क्रं./18113/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18113
वार्ड का नाम- 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663T00073** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MANOJ CHAKRADHARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNHAR LAL CHAKRADHARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PARMILA NISHAD** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O RAKESH KUMAR NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर

पत्र क्रं./18080/न.पा.नि./जोन क्रं. 2/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18080
वार्ड का नाम- 26 -दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR111C00082** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMADHIN YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **फातिमा बेगम** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - मो. तसउवर हुसैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर

पत्र क्रं./ 18064/न.पा.नि./जोन क्रं. 2/2025
रायपुर दिनांक : 12-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18064
वार्ड का नाम- 28 -शहीद हेमु कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223O00047** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. TIRKI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O R. M. BATRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. NIHARIKA SINGH THAKUR** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O ABHAY SINGH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 784 दिनांक 12.02.2025
वार्ड का नाम- ठाकुर प्यारेलाल वार्ड
वार्ड क्र. 11 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 11 मांग **पंजी क्र. 317 युआईडी 15554** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पूजा / दुष्यंत** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ममता सिदार / मिथलेश कुमार गोड़** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **14-03-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwaparivar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

जीवन साझा करने पर ही अच्छा बनता है: एलजी इंडिया ने भारतभर में रक्तदान अभियान का किया विस्तार

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया अपनी मेगा रक्तदान अभियान के तीसरे संस्करण को लॉन्च करने के लिए तैयार है, जो जीवन अच्छा होता है जब जीवन साझा किया जाता है के मूल संदेश के साथ कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस पहल का उद्देश्य समुदायों, विशेष रूप से युवाओं को संगठित करना है और 70 शहरों में 400 रक्तदान शिविरों का आयोजन करना है। वर्ष 2019 और 2023 में, LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने सफलतापूर्वक लगभग 188 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया, जिसके माध्यम से 17,700 से अधिक पंजीकरण हुए। इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, 2025 के अभियान का लक्ष्य 30,000 पंजीकरण प्राप्त करना है। प्रत्येक शिविर में रक्तदाताओं को आवश्यक चिकित्सा जांच, जलपान और प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे, ताकि एक सहज और प्रेरक रक्तदान अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। केयर टूडे फंड, यूनाईटेड वे मुंबई और सक्षम भारती फाउंडेशन जैसे विश्वसनीय साझेदारों के साथ सहयोग करते हुए ख्र भारत में स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को मजबूत बनाने का प्रयास कर रहा है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए LG इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एमडी, श्री होंग जू जियोन ने कहा, हम सार्थक हस्तक्षेप के साथ ष्टस्क्र कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मेगा रक्तदान अभियान का यह तीसरा संस्करण हमारे इस संकल्प का प्रतिबिंब है कि लोगों के लिए 'लाइफ्स गुड' बनाया जाए। हमारा उद्देश्य समुदायों को सक्रिय रूप से भाग लेने और इस महत्वपूर्ण उद्देश्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना है, जो हमारे मूल संदेश 'जीवन साझा करने पर ही अच्छा बनता है' के साथ जुड़ा हुआ है।

2025 तक 20,000 शिक्षकों को सशक्त बनाने के लिए सैमसंग का अनूठा पहल गैलेक्सी एम्पावर्ड

नई दिल्ली: भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी एम्पावर्ड नामक एक अनूठे सामुदायिक कार्यक्रम की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और प्रशासकों को सशक्त बनाकर भारत में शिक्षा को नई दिशा देना है। दिग्गज निशानेबाज और 2008 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की मौजूदगी में शुरू किए गए इस कार्यक्रम का मकसद शिक्षण में तकनीक को शामिल कर नवाचार को बढ़ावा देना और शिक्षा में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है। यह पहल शिक्षकों को भविष्य की कक्षाओं के लिए तैयार करने के लिए नियमित ऑन-ग्राउंड और ऑनलाइन शिक्षण सत्र प्रदान करेगी। तकनीक के क्षेत्र में एक अग्रणी ब्रांड होने के नाते, सैमसंग का लक्ष्य ऐसे भविष्य के लिए तैयार कक्षाओं का निर्माण करना है, जहां शिक्षक नवीनतम तकनीक और आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाकर बेहतर शिक्षा दे सकें। गैलेक्सी एम्पावर्ड न केवल शिक्षकों के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह स्कूलों को भी शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का अगुवा बनने में मदद करता है। बेहतर शिक्षण विधियों और तकनीक-संचालित सीखने के माहौल के जरिए स्कूल खुद को अभिभावकों की पहली पसंद बना सकते हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी और उन्हें समुदाय में अधिक पहचान मिलेगी। खास बात यह है कि गैलेक्सी एम्पावर्ड कार्यक्रम पूरी तरह नि:शुल्क है, जिससे शिक्षकों और स्कूलों को बिना किसी आर्थिक बाधा के शिक्षा को उन्नत बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, राजू पुलन ने कहा, गैलेक्सी एम्पावर्ड के माध्यम से, हम शिक्षकों को ऐसे टूल्स प्रदान कर रहे हैं जो छात्र जुड़ाव को बेहतर बनाएंगे और शिक्षा पर स्थायी प्रभाव डालेंगे। शिक्षक विकास में निवेश करके, सैमसंग उन्हें कक्षा में अपने प्रभाव को अधिकतम करने के लिए सशक्त बना रहा है, जिससे शिक्षा प्रणाली की बुनियाद और मजबूत होगी। यह पहल हमारे 'बेहतर कल के लिए नवाचार' के दृष्टिकोण के अनुरूप है, ताकि शिक्षा हमेशा नवाचार के केंद्र में रहे और हर शिक्षक के पास सफलता के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों।

INDIAWOOD 2025: लकड़ी और फर्नीचर निर्माण में नवाचार को प्रेरित करने के 25 साल

दिल्ली। उद्योग में उन्नति और विकास के एक चौथाई शतक को चिह्नित करते हुए, INDIAWOOD 2025, वुडवर्किंग और फर्नीचर निर्माण के लिए प्रमुख व्यापार मेला, 6-9 मार्च 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट और सेंटर (IEML), ग्रेटर नोएडा, दिल्ली एनसीआर में आयोजित किया जाएगा। NuernbergMesse के वैश्विक लकड़ी कार्य पोर्टफोलियो का हिस्सा, यह मील का पत्थर संस्करण भारत की निर्माण शक्ति के रूप में उभरने और फर्नीचर और लकड़ी कार्य उद्योग में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को दर्शाता है। INDIAWOOD की 25 साल की धरोहर: स्थानीय प्रदर्शन से वैश्विक प्रभाव तक अपनी स्थापना से, INDIAWOOD ने उद्योग के विकास को आकार दिया है, एक ही मंच पर निर्माता, आपूर्तिकर्ता, प्रौद्योगिकी नेता और पेशेवरों को एकत्र किया है। पिछले ढाई दशकों में, इसने प्रौद्योगिकी में प्रगति, सतत प्रथाओं, और वैश्विक सहयोगों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, जब भारत वैश्विक फर्नीचर उत्पादकों में शीर्ष पांच देशों में स्थान रखता है और अपने फर्नीचर निर्यात को हर साल 20त्न बढ़ाने के लिए तैयार है, INDIAWOOD उद्योग की प्रगति के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में जारी है। 2025 में 25.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मूल्यांकन किया गया भारतीय फर्नीचर बाजार 2030 तक 37.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लकड़ी फर्नीचर उत्पादन का 62 प्रतिशत हिस्सा बनाती है, और यह उद्योग नवाचार और स्थिरता द्वारा प्रेरित परिवर्तन से गुजर रहा है। - इसका अधिकांश हिस्सा INDIAWOOD में मिलने वाले अवसरों द्वारा प्रेरित है, सोनिया प्रशर, प्रबंध निदेशक, NuernbergMesse इंडिया ने कहा। इस अवसर पर, Eumabois (यूरोपीय लकड़ी कार्य मशीनरी निर्माताओं की महासंघ) के अध्यक्ष फ्रेडरिक मेयर ने कार्यक्रम और भारत के लकड़ी कार्य और फर्नीचर उद्योग की निरंतर वृद्धि के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की। भारत तेजी से लकड़ी के काम और फर्नीचर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वैश्विक खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, जिसे मजबूत घरेलू मांग और कारीगरी की दीर्घकालिक परंपरा द्वारा बढ़ावा मिल रहा है, मेयर ने कहा। INDIAWOOD 2025 ज्ञान साझा करने, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। Eumabois इस पहल का समर्थन करने पर गर्व महसूस करता है, और यूरोपीय और भारतीय कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे रहा है।

वोटिंग मशीन स्ट्रांग रूम में बंद कड़ी सुरक्षा के साथ सील

15 फरवरी प्रात: 9 बजे वोटिंग मशीन प्रत्याशीयो के किस्मत का करेगी खुलासा

मतगणना के लिए पर्यवेक्षक ले रहे है प्रशिक्षण

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) पिछले 11 फरवरी को नगरीय निकाय का निर्वाचन संपन्न हुआ। जिले में नगर पालिका सूरजपुर, नगर पंचायत विश्रामपुर, जरही, भटगांव, प्रतापपुर में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जिले में 1 नगर पालिका और 4 नगर पंचायतों समेत 5 नगरीय निकायों में कुल 31 हजार 301 मतदाताओं ने मतदान किया गया। जिसमें 15 हजार 849 पुरुष व 15 हजार 452 महिला मतदाताओं द्वारा मतदान किया गया। इस प्रकार जिले में कुल 66.15 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान पश्चात सभी मतदान दल की वापसी हुए इसके साथ ही मतदान केंद्रो की सामग्री व वोटिंग मशीन को निर्धारित स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के साथ सील कर दिया गया है। जिसकी गणना 15 फरवरी को निर्धारित मतदान केंद्रो में सुनिश्चित समय सारणी के अनुरूप की जाएगी। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन में सभी निर्धारित स्ट्रांग रूम परिसर में कड़ी सुरक्षा तैनात की गई है। इसके साथ ही मतगणना के पूर्व मतगणना पर्यवेक्षक व सामान्य पर्यवेक्षको को गणना हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि मतगणना दिवस पर निर्धारित समय सीमा पर सफलतापूर्वक गणना का कार्य संपन्न कराया जा सकें। 15 फरवरी के दिन नगरीय निकाय निर्वाचन अंतर्गत मतगणना निर्धारित स्थलों पर प्रात: 09:00 बजे से किया जायेगा।

स्ट्रांग रूम और मतगणना स्थल- नगर पालिका सूरजपुर के लिए आईटीआई भवन पर्री सूरजपुर, नगर पंचायत विश्रामपुर के लिए शा. कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर, नगर पंचायत जरही के लिए मैत्री भवन जरही, नगर पंचायत भटगांव के लिए शा.उच्च.माध्य.विद्यालय बालक भटगांव एवं नगर पंचायत प्रतापपुर के लिए शा.बालक उच्च.माध्य. विद्यालय प्रतापपुर को स्ट्रांग रूम स्थल व मतगणना स्थल निर्धारित किया गया है।

एचडीएफसी बैंक ने पीएसयू कर्मचारियों के लिए भारत का पहला साइबर फ्रॉड कवर - 'अनमोल सेलरी अकाउंट' लॉन्च किया

नई दिल्ली: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज साइबर फ्रॉड कवर के साथ भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वेतन खाता - 'अनमोल बचत खाता' लॉन्च किया है। एचडीएफसी बैंक अपने बचत खाता उत्पाद में लगातार नवाचार कर रहा है। विभिन्न जरूरतों वाले विभिन्न ग्राहक वर्गों - वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं को लक्षित बचत खातों के 'स्पेशल' सूट के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1.5 लाख रुपए तक का साइबर फ्रॉड कवर प्रदान करता है, जबकि पेशेवरों के लिए साइबर फ्रॉड कवर 25,000-50,000 रुपए तक होता है। इसी तरह, 'स्पेशल गोल्ड वूमेन' खाता महिलाओं को 5 लाख रुपए तक का कैंसर कवर देता है।

अनमोल बचत खाते की मुख्य विशेषताएं हैं:

साइबर धोखाधड़ी कवर- 25,000 रुपए तक के साइबर धोखाधड़ी से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

पारिवारिक लाभ - 5 पारिवारिक सदस्यों तक के लिए जीरो बैलेंस सैलरी फैमिली अकाउंट और लॉकर लाभ।

बीमा कवर - ग्राहकों को ओपीडी कवरेज के साथ व्यापक स्वास्थ्य कवर 30 लाख रुपए तक की टॉप अप योजना और 15 लाख रुपए से अधिक मूल्य के जीरो कॉस्ट दुर्घटना बीमा कवर का लाभ मिलेगा।

बुजुर्ग मतदाताओं ने मतदान करने के बाद सेल्फी लेकर मतदान के प्रति दिखाया उत्साह

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 अंतर्गत जिले के सभी नगरीय निकायों में मतदान 11 फरवरी को किया गया। मतदान केन्द्रों में सुबह से मतदाताओं की लंबी कतारें लग गई। जिले के नगरीय निकायों के मतदाताओं के लिए कई आदर्श मतदान बनाए गए हैं जिनमें विशेष व्यवस्थाएं भी किए गए। मतदान केन्द्रों में युवाओं, महिलाओं के साथ-साथ बुजुर्ग मतदाताओं में उत्साह देखा गया। बुजुर्ग मतदाताओं ने मतदान केन्द्र में आकर मतदान किया। बुजुर्ग मतदाताओं ने मैंने मतदान किया... सेल्फी जोन में अपनी सेल्फी भी ली और सेल्फी लेकर नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित भी किया।

गोलबाजार राजनांदगांव की 85 वर्षीय बुजुर्ग श्रीमती मैनु बाई ने मतदान केन्द्र म्युनिसिपल स्कूल में अपने नाती रोशन नागवंशी के साथ पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। श्रीमती मैनु बाई ने बताया कि वे प्रत्येक निर्वाचनों के समय अपना वोट अवश्य देती है। उन्हें खुशी है कि लोकतंत्र के निर्माण में वह भी अपना मनपसंद का जनप्रतिनिधि चुनती है। वे कहती है कि मतदान केन्द्र में आकर मतदान करना बहुत अच्छा लगता है। बजरंगपुर नवागांव निवासी बुजुर्ग दंपत्ति 80 वर्षीय प्रेमलाल वर्मा और उनकी पत्नी 74 वर्षीय श्रीमती गौरी बाई वर्मा ने मोतीपुर स्कूल स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 4 में पहुंचकर अपना मतदान कर मताधिकार का प्रयोग किया। बुजुर्ग 83 वर्षीय बेनी माधव श्रीवास्तव ने अपने बेटे के सहारे दिग्विजय कॉलेज स्थित मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। आदर्श मतदान केन्द्र शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय स्थित मतदान केन्द्र में राजीव नगर की 65 वर्षीय श्रीमती कुमारी बाई ने अपना मतदान कर सेल्फी बूथ में सेल्फी लेकर अपनी खुशी जाहिर की। इसी तरह बुजुर्ग 80 वर्षीय श्रीमती सोनिया बाई, 78 वर्षीय हठियारिन बाई, 77 वर्षीय सुदारसा बाई और 70 वर्षीय सुरूज बाई ने नवागांव स्कूल स्थित मतदान केन्द्र में अपना मतदान कर अपना-अपना सेल्फी लेकर मतदान के प्रति उत्साह दिखाया।

दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। पीड़िता के घर मे घुसकर पीड़िता से छेड़खानी करना एवं जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को जेल भेजा गया। दरअसल प्रार्थिया लालबाग थाना में रिपोर्ट दर्ज करायी कि बीते 10 फरवरी को लगभग 11:00 बजे आरोपी द्वारा इनके घर के वेंटीलेशन को तोड़कर अंदर घुसकर, बेइज्जत करने की नीयत से हाथ बाह एवं पेट को पकड़कर छेड़खानी कर प्रार्थिया के सिर के बाल को काटकर गन्दी गन्दी गाली गुफ्तार कर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का तथा हाथ मे पहने चुडा से मारपीट किया है और मोबाइल को तोड़ दिया है की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 60/25 धारा 74,115(1), 296,323(4) 332(ष)351(3) बीएनएस0 कायम कर विवेचना में लिया गया।

घटना की जानकारी से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवंअतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन पर चौकी सुकुलदैहान के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित कर आरोपी कुलदीप महार पिता रतिराम महार उम्र 20 साल निवासी ग्राम खुडमुड़ी थाना ठेलकडीह को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

प्रेक्षक ने मतगणना से पहले सभी तैयारियां सुनिश्चित करने किया संवीक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) +नगरीय निकाय निर्वाचन के मतदान के दूसरे दिन आज सामान्य पर्यवेक्षक प्रणव सिंह द्वारा कलेक्टर सभाकक्ष में सभी नोडल, आरओ व एआरओ निर्वाचन से संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में मतदान की संवीक्षा की। इस संवीक्षा बैठक में उन्होंने मतदान की स्थिति की संवीक्षा की एवं ऐसे मतदान केंद्रों के संबंध में जानकारी चाही जहां संपूर्ण नगरीय निकाय के औसत मतदान प्रतिशत से 15 प्रतिशत अधिक और 15 प्रतिशत कम मतदान हुआ हो। साथ ही उन्होंने मतगणना के पूर्व की सभी तैयारियां सुनिश्चित करने हेतु सभी नोडल, आरओ व एआरओ निर्वाचन को निर्देशित किया। बैठक में 15 फरवरी मतगणना दिवस पर गणना कार्य को सफलतापूर्वक सम्पादित कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश श्री सिंह द्वारा उपस्थित एवं संबंधित अधिकारियों को दिये गए। उन्होंने कहा कि मतगणना का कार्य निर्वाचन प्रक्रिया का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए यह आवश्यक है कि मतगणना कार्य में लगे अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक स्तर पर सावधानी बरते। मतगणना निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर के अधीक्षण पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण में संपादित हो इस बात पर उन्होंने ध्यान रखने की विशेष बात कही।

महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव की एकतरफा जीत होगी:भाजपा

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव व वार्डो में लड़ रहे भाजपा पार्षद प्रत्याशियों के लिये एकतरफा जीत का दावा करते हुये भाजपा मीडिया सेल ने बड़े मतदान प्रतिशत के लिये मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। भाजपा मीडिया सेल प्रभारियों योगेशदत्त मिश्रा, अशोक लोहिया व अमर लालवानी ने पूरे शहर का व्यापक दौरा करने के पश्चात् कहा कि मतदान को लेकर मतदाताओं में बेहद उत्साह परिलक्षित हो रहा था, खासकर महिलायें लोकतंत्र में वोट के महत्व को पहचानते हुये लम्बी-लम्बी लाईनों में लंबा इंतजार करते देखी गई। शहर के लगभग हर हिस्से में मतदान का प्रतिशत अच्छा रहा। भारतीय जनता पार्टी के बूथों में जहॉं कार्यकर्ताओं व नागरिकों की भीड़ दिखलाई पड़ रही थी वही विरोध में लड़ रहे प्रत्याशियों के बूथों में उपस्थिति नगण्य दिख रही थी। मीडिया सेल प्रभारियों ने महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव सहित वार्डो में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के बड़े बहुमत के साथ जीतने की बात कहते हुये कहा कि पिछले एक वर्ष में राज्य सरकार जिस तरह से मोदी गारंटी की योजनाओं को धड़ा-धड़ प्रारंभ किया, महिला-बहनों को महतारी वंदन योजना से नवाजा तथा समाज के हर वर्ग के लिये जिस तरह से सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं प्रारंभ की उससे स्थानीय निकाय में भारतीय जनता पार्टी की एकतरफा बढ़त दिखाई दे रही है। इसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख ने नगर निगम चुनाव पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी वार्डो में भाजपा के पक्ष में एकतरफा माहौल से वे मतदाताओं का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भाजपा के पछ में लोगों में जुनून की आंधी चल रही थी, अधिकांश मतदाता नगर निगम की खस्ताहालत करने के लिए कांग्रेस को दोष देते हुए भाजपा को विकास के लिए मतदान कर रहे थे। इस बार सभी वार्डो में भाजपा के पंडालों में भारी भीड़ और भाजपा के प्रति उत्साह को देखते हुए उनका दावा है कि भाजपा के 40 पार्षद तथा महापौर प्रत्याशी मधुसूदन यादव 50000 से अधिक वोटो से विजय होंगे।

मतदान कर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

बिलासपुर। नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 में मतदान के प्रति हर वर्ग में खासा उत्साह है। दिव्यांग मतदाता भी तमाम मुश्किलों के बावजूद निर्वाचन में अपनी भागीदारी निभाने पहुंच रहे हैं। कोनी के शासकीय स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक स्कूल के मतदान केन्द्र क्रमांक 488 में मतदान करने दिव्यांग 62 वर्षीय श्रीमती मीनू सिंह अपने परिवार के साथ पहुंची। मीनू सिंह ने मतदान कर सभी से अपील की कि लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। मतदान को लेकर द्विव्यांगों के साथ ही बुजुर्गो में भी उत्साह देखने को मिला। कोनी के शासकीय प्राथमिक स्कूल स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 484 में मतदान देने पहुंचे 70 वर्षीय बुजुर्ग मिलऊ दास ने कहा कि मतदान हमारा अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी है। जिसका उपयोग सभी को करना चाहिए। श्री मिलऊ दास कोनी के रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्रमांक 68 के निवासी हैं। इसी वार्ड की रहने वाली 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला श्रीमती नाजिमा अली ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और सभी से मतदान की अपील की। 77 वर्षीय बुजुर्ग श्री रामप्रसाद यादव ने अपनी पत्नी के साथ मिशन स्कूल स्थित मतदान केन्द्र में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 13 फरवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

राहत की बड़ी सौगात

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए बजट में मध्यम वर्ग के लिए राहत की बड़ी सौगात दी है। यह कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं लगेगा जिससे लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सकेगा। फलस्वरूप घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक गतिविधियों में रवानी आने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने शनिवार को लोक सभा में वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जो उनका लगातार आठवां बजट रहा, जो कीर्तिमान है। इस राहत से करीब एक करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का भी प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को %ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा है कि %यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा'। बेशक, बजट में जिस प्रकार से आयकर से राहत दी गई है, वह बाकी सभी बजट प्रावधानों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दिखलाई पड़ रही है। हालांकि हर बजटीय प्रावधान खासे विमर्श के बाद किया जाता है। लेकिन आयकर में राहत महत्त्वपूर्ण है क्यों कि अरसे से इस बाबत मांग की जा रही थी। अब यह राहत मिली है, तो इसे कुछ लोग चुनाव के मद्देनजर किया गया बदलाव करार दे रहे हैं। इस साल के आखिर में बिहार और इसी फरवरी में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हैं। बिहार के लिए भी पैकेज घोषित किया है, और आयकर में राहत से एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली के 85 प्रतिशत करदाताओं को अब आयकर नहीं देना पड़ेगा। बहरहाल, आम बजट से चुनावी से इतर अनेक लाभ मिलने तय हैं। महंगाई कम करने के साथ ही बजट रोजगार सृजन में सहायक होगा। रक्षा क्षेत्र और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने के साथ ही नियामक सुधारों पर बल दिया गया है। वरिष्ठ जन की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय को कर-मुक्त रखा गया है, जो यकीनन सराहनीय है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भी उत्साहजनक ऐलान है। स्वास्थ्य क्षेत्र और ईवीएम से जुड़ खचरे के लिए भी खासा आवंटन है। वित्त मंत्री ने रेल बजट में कोई बढ़ोतरी नहीं की है और इस वर्ष भी पिछले वर्ष की भांति ही 2.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। बेशक, बजट की आलोचना करने के लिए तमाम तर्क गढ़े जा सकते हैं, लेकिन इतना तो कहना होगा कि बजट समाज के व्यापक वर्ग के हित में दिख रहा है।

सामाजिक क्षेत्र पर आधारित हो बजट

डा. सतपाल

नीतिकारों को चाहिए कि सामाजिक क्षेत्र पर व्यय की महता को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता दी जाए आगामी कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश में वित्त वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट पेश होना है, जिस पर जनता की निगाहें टिकी हुई होना स्वाभाविक है। इस वित्तीय वर्ष का बजट जिन विकट परिस्थितियों में पेश होगा, यह निश्चित तौर पर प्रदेश की वर्तमान सरकार के लिए परीक्षा की घड़ी है। आज प्रदेश पर कर्ज का अंबार खड़ा हो चुका है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति कर्ज वित्तीय वर्ष 2017-18 में तकरीबन 66 हजार रुपए था, जो कि वर्तमान में प्रति व्यक्ति एक लाख रुपए से ऊपर हो गया है। यानी कि प्रदेश में पैदा होने वाला बच्चा तकरीबन एक लाख के कर्ज के साथ जन्म लेता है। वर्ष 2017 में जब भाजपा ने प्रदेश की सत्ता संभाली तो प्रदेश पर लगभग 47 हजार करोड़ का कर्ज था, जो वर्ष 2022 में सत्ता छोडऩे पर 76 हजार करोड़ हो गया। वर्तमान में यह आंकडा 90 हजार करोड़ की दहलीज लांघ चुका है, जो सही मायनों में चिंतनीय विषय है। ऐसी विकट परिस्थिति में वर्तमान सरकार किस प्रकार आगामी बजट पेश करती है, यह देखना दिलचस्प है। बजट साधारण शब्दों में एक वित्त वर्ष में किसी देश या प्रदेश द्वारा किया जाने वाला आय व व्यय का लेखा-जोखा है। करों के रूप में जनता द्वारा किया जाने वाला भुगतान सरकारी खजाने में वृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह एकत्रित धन सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में खर्च किया जाता है, जिससे जनता को कई प्रकार की सुविधाओं का लाभ मिल सके। आय व व्यय बजट के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिसमें किस प्रकार जनता का पैसा जनता के ऊपर खर्च किया जाए, इसका विस्तृत ब्यौरा होता है। बजट एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न प्रकार के करों को इस तरह लगाया जाता है ताकि जनता पर बोझ कम से कम हो। दूसरी ओर यह तय करना है कि एकत्रित धन को कैसे खर्च किया जाए, जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ हो। जनता का वार्षिक बजट सरकार के वार्षिक बजट पर निर्भर करता है। बजट में व्यय का लेखा-जोखा एक पूरे वित्त वर्ष के लिए व्यर्थ की फिजूलखर्ची से सरकारी खजाने को बचाने के लिए होता है। सरकारी व्यय का उपयुक्त होना एक बजट के सफल क्रियान्वयन के लिए बहुत आवश्यक है। सरकारी व्यय को विभिन्न भागों जैसे नीतिगत, गैर-नीतिगत एवं विकासात्मक, गैर-विकासात्मक में बांटा जाता है। एक बजट तभी उपयुक्त समझा जाना चाहिए यदि नीतिगत व विकासात्मक व्यय को गैर-नीतिगत व गैर-विकासात्मक की अपेक्षा अधिक महत्व दिया गया हो, जिसको हम हिमाचल प्रदेश के पिछले वर्षों में देखते आए हैं और आने वाले बजट में भी यही उम्मीद करते हैं। तथापि गत वर्षों में कोरोना महामारी व प्राकृतिक आपदा ने भी प्रदेश के आर्थिक परिप्रेक्ष्य को एक कदम पीछे की तरफधकेला है। यद्यपि इस बाबत सरकारों के प्रयास प्रशंसनीय रहे हैं, ऐसा कहना उपयुक्त होगा। वार्षिक बजट में सरकार द्वारा आर्थिकी के विभिन्न क्षेत्रों पर किया जाने वाले व्यय का निर्धारण किया जाता है, जिनमें सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय सबसे महत्वपूर्ण है। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय भारत ही नहीं, अपितु पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था की उन्नति का एक महत्वपूर्ण मानक है, जो सही मायने में विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। सार्वजनिक क्षेत्र पर व्यय से अभिप्राय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल एवं निकासी, आपदा प्रबंधन इत्यादि मदों पर व्यय से है। सामाजिक क्षेत्र की ये सारी मदें किसी भी प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यही वे मदें हैं, जो प्रदेश की पहचान मानव विकास सूचकांक जैसे पैमानों पर दिलाती है। हिमाचल प्रदेश भी इन मदों में उत्कृष्ट कार्य के लिए भारतवर्ष के कई राज्यों से आगे है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिले हैं, जिसके लिए सूबे के समस्त वासी गर्व महसूस करते हैं। परंतु अभी भी प्रदेश कई प्रकार की अव्यवस्थाओं का सामना करता हुआ नजर आ रहा है। प्रदेश के कई मानकों में जैसे कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, रोड फैसिलिटी, सैनिटेशन की उपयुक्त व्यवस्था आदि में स्थिति संतोषजनक नहीं है जिसकी ओर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि आने वाले समय में हिमाचल के ज्यादा से ज्यादा शहर भारत की स्मार्ट सिटी में शामिल हो सकें। शिक्षा में गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की अगर बात की जाए तो तस्वीर कुछ धुंधली सी नजर आती है। शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षत्रों में पिछले कुछ समय से बदलाव देखने को मिला है। इनमें निजीकरण व व्यवसायीकरण की दीमक लग चुकी है जो समाज के लिए खतरे की घंटी है। जब प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरुआत हुई, तब शिक्षा एवं स्वास्थ्य में हम पिछड़े हुए थे। आज गांव-गांव तक शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा का प्रावधान है, ऐसा हम आए दिन मीडिया के माध्यम से जानते हैं। साथ ही साथ यह भी देखते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत कई विद्यालय बंद हो चुके हैं, कई बंद होने के कगार पर हैं। इसके पीछे क्या कारण हैं, उनसे सभी भली-भांति परिचित हैं। सरकारी विद्यालयों में अध्यापकों के अभाव के कारण अभिभावक अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़ाने पर विवश हैं। परंतु निजी विद्यालयों में भी मनमाने ढंग से फीस वसूली जाती है क्योंकि उनका उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना होता है। अत: केवल वे लोग जिनके पास धन का अभाव नहीं हैं, अपने बच्चों को मनचाही फीसें देकर पढ़ा रहे हैं, लेकिन गरीब तबका साधनों के अभाव के चलते अपने बच्चों को अध्यापक रहित विद्यालयों में पढ़ाने को मजबूर है। बजट साधारण शब्दों में एक वित्त वर्ष में किसी देश या प्रदेश द्वारा किया जाने वाला आय व व्यय का लेखा-जोखा है। करों के रूप में जनता द्वारा किया जाने वाला भुगतान सरकारी खजाने में वृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह एकत्रित धन सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में खर्च किया जाता है, जिससे जनता को कई प्रकार की सुविधाओं का लाभ मिल सके। आय व व्यय बजट के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिसमें किस प्रकार जनता का पैसा जनता के ऊपर खर्च किया जाए, इसका विस्तृत ब्यौरा होता है। बजट एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न प्रकार के करों को इस तरह लगाया जाता है ताकि जनता पर बोझ कम से कम हो। दूसरी ओर यह तय करना है कि एकत्रित धन को कैसे खर्च किया जाए, जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ हो। जनता का वार्षिक बजट सरकार के वार्षिक बजट पर निर्भर करता है। बजट में व्यय का लेखा-जोखा एक पूरे वित्त वर्ष के लिए व्यर्थ की फिजूलखर्ची से सरकारी खजाने को बचाने के लिए होता है। सरकारी व्यय का उपयुक्त होना एक बजट के सफल क्रियान्वयन के लिए बहुत आवश्यक है। सरकारी व्यय को विभिन्न भागों जैसे नीतिगत, गैर-नीतिगत एवं विकासात्मक, गैर-विकासात्मक में बांटा जाता है। ऐसे में हम किस प्रकार के भावी नागरिकों की उम्मीद कर सकते हैं, यह हम सबके लिए एक प्रश्न है। आज अगर हम सरकारी विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों में पढऩे वाले छात्रों में तुलना करें, तो एक भारी अंतर उनके स्तर में देखने को मिलता है, जो चिंता का विषय है। अत: नीतिकारों को इस ओर विशेष ध्यान देने की सख्त जरूरत है। हालांकि वर्तमान सरकार इस ओर प्रयासरत है, लेकिन आगामी बजट में इसको कितनी तवज्जो मिलेगी। यह देखना बाकी है। इसके अलावा अगर स्वास्थ्य की बात करें तो तस्वीर किसी से छुपी नहीं है। यहां भी लोगों का सार्वजनिक क्षेत्र से पलायन निजी क्षेत्र की तरफ हुआ है। आज कहने को तो गांव-गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं, परंतु अधिकतर केंद्रों में स्टाफ की कमी देखने को मिलती है। नीतिकारों को चाहिए कि सामाजिक क्षेत्र पर व्यय की महता को ध्यान में रखते हुए आगामी बजट में प्राथमिकता दी जाए।

आलेख

काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप

विनीत नारायण

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है? कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाडियों पर खर्चा करने की बजाय खर्चीले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते। नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की। सब चलता है' और ऐसे ही चलेगा' कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि देश सुधरेगा क्यों नहीं?हम ऐसे ही चलने नहीं देंगे'। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर- कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता। आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा। नारे बहुत दिए जाएंगे पर परिणाम केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। सरकारों ने अगर अपने अधिकारियों के विरोध की परवाह करते हुए अपने कार्यकालों में कई सक्षम लोगों को यदि खुली छूट न दी होती तो अमूल और मेट्रो जैसे हजारों करोड़ के साम्राज्य कैसे खड़े होते? आम आदमी के लिए रोजगार का सृजन करना हो या देश की गरीबी दूर करना हो, सरकार की नीतियों में बुनियादी बदलाव लाना होगा। केवल आंकड़े ही नहीं साक्षात परिणाम देख कर भी नीति बननी चाहिए। खोजी पत्रकारिता के चार दशक के मेरे अनुभव यही रहे कि बड़े से बड़ा भ्रष्टाचार बड़ी बेशर्मी से कर दिया जाता है पर सच्चाई और अच्छाई का डट कर साथ देने की हिम्मत हमारे राजनेताओं में नहीं है। इसीलिए देश का सही विकास नहीं हो रहा। खाई बढ़ रही है। हताशा बढ़ रही है। हिंसा बढ़ रही है। पर नेता चारों ओर लगी आग देख कर भी कबूतर की तरह आंखें बंद किये बैठे हैं। इसलिए फिर से समाज के मध्यम वर्ग को समाज के हित में सक्रिय होना होगा। मशाल लेकर खड़ा होना होगा। टीवी सीरियलों और उपभोक्तावाद के चंगुल से बाहर निकल कर अपने इर्द-गिर्द की बदहाली पर निगाह डालनी होगी ताकि हमारा खून खौले और हम बेहतर बदलाव के निमित्त बन सकें। विनाश के मूक द्रष्टा नहीं। तब ही हम सही मायने में आजाद हो पाएंगे। फिलहाल तो उन्हीं अंग्रेजों के गुलाम हैं जिनसे आजादी हासिल करने का मुगालता लिए बैठे हैं। हमारे दिमागों पर उन्हीं का कब्जा है जो घटने की बजाय बढ़ता जा रहा है। ये बातें या तो शेखचिल्ली के ख्वाब जैसी लगती हैं या किसी संत का उपदेश।

कैब चालक-डिलीवरी ब्वाय कामगारों की चिंता

कुमार समीर

भारतीय कामगारों का वर्किंग कल्चर, स्टाइल, काम करने के घंटे हमेशा से बहस का मुद्दा रहे हैं। इस कड़ी में स्किल्ड, अन-स्किल्ड को केंद्र में रखकर विभेद की भी बात सामने आती रहती हैं। हाल में जारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट भी इस बात की तस्दीक करती है। काम के घंटे को लेकर कुछ दिनों पहले काफी विवाद देखा गया। इससे इतर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की हाल में जारी कैब चालक-डिलीवरी ब्वाय जैसे कामगारों (गिग वर्कर्स) की स्थिति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में साफ साफ शब्दों में माना गया है कि गिग वर्कर्स यानी ऐप आधारित कैब चालक, डिलीवरी ब्वाय या इसी तरह का अन्य काम करने वाले 83 फीसद कामगार रोजाना चुनौतियों का सामना करते हुए औसतन दस घंटे से भी अधिक काम कर रहे हैं। नतीजतन इन कामगारों को न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट में टारगेट डिलीवरी को खतरनाक माना गया है और कहा गया है कि गिग वर्कर्स को एक निश्चित समयावधि में समान की डिलीवरी करनी होती है। समय पर टारगेट पूरा नहीं होने से शारीरिक, मानसिक रूप से तनाव बढ़ता है। रिपोर्ट में गिग वर्कर्स के लिए मौजूदा रेटिंग प्रणाली पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की गई है और इसे मनमानी करार देते हुए इसकी समीक्षा पर बल दिया गया है। कई बार बेहतर काम करने के बावजूद इन गिग वर्कर्स को खराब रेटिंग मिलती है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इन गिग वर्कर्स की चुनौतियों को दूर करने व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए नियामक ढांचा तैयार करने और इसके जरिए लक्षित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इनकी चुनौतियों में लंबे समय तक काम करना, वित्तीय तनाव और शारीरिक थकावट शामिल है। इनके लिए थोड़ी राहत वाली बात यह है कि झारखंड, कर्नाटक और राजस्थान जैसे कुछ राज्य इन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम मजदूरी, तनाव मुक्त कार्य स्थितियों से संबंधित उनकी अन्य चिंताओं को दूर करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस आगामी 2025-26 वित्तीय वर्ष के बजट में देश के गिग वर्कर्स जिनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है, उन सभी कामगारों को पहचान देने के लिए पंजीकरण करने और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इससे उम्मीद जगी है और इसी तरह की उम्मीद कारपोरेट जगत के कामगारों में जगाने की जरूरत है क्योंकि यहां के कर्मचारी भी जबरदस्त तनाव में रहते हैं। ये लोग औसतन दस घंटे से कहीं अधिक समय तक काम करने को मजबूर हैं। इनके नारायण मूर्ति, एस.एन. सुब्रमण्यम जैसे मालिकानों की सोच बदलनी होगी और उन्हें अहसास दिलाना होगा कि उनकी इस तरह की सोच, नजरिया से न तो उनका और ना ही कामगारों का भला होने वाला है। आर्टफीशियल इंटेलीजेंस के दौर में जब दुनिया बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के खतरे को महसूस कर रही है, तब काम के घंटे बढ़ाने के कारण देश में और भी बेरोजगारी बढ़ेगी, यह तय है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि अर्थनीति की दिशा बदली जाए काम के घंटे घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया जाए और रोजगार को संवैधानिक अधिकार बनाकर राज्य की जिम्मेदारी तय की जाए कि वह नौजवानों के लिए रोजगार/नौकरी को सुनिश्चित करे। स्वीडन ने छह घंटे कार्यदिवस की नीति अपनाई, जिससे कर्मचारियों की उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उनके जीवन की गुणवत्ता बेहतर हुई। जर्मनी ने भी कार्य घंटों को सीमित कर कर्मचारियों को दक्षता और कुशलता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि कार्य घंटों को घटाने से कर्मचारियों की संतुष्टि और उत्पादकता दोनों में सुधार होता है, जो संगठनों की दीर्घकालिक प्रगति के लिए भी फायदेमंद है। भारत में इस दिशा में सुधार के लिए व्यापक नीतिगत बदलावों की आवश्यकता है। श्रम कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, ताकि कार्यदिवस के घंटे तय हों और कंपनियां इन नियमों का सख्ती से पालन करें। %स्मार्ट वर्क' के विचार को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे कर्मचारी अपनी दक्षता और तकनीकी उपकरणों का उपयोग करते हुए कम समय में बेहतर परिणाम दे सकें। अंतत: संगठनों को यह समझना होगा कि उत्पादकता केवल काम के घंटों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह कर्मचारियों की प्रेरणा, कौशल-सम्मान और प्रोत्साहन पर आधारित होती है। इनकी चुनौतियों में लंबे समय तक काम करना, वित्तीय तनाव और शारीरिक थकावट शामिल है। इनके लिए थोड़ी राहत वाली बात यह है कि झारखंड, कर्नाटक और राजस्थान जैसे कुछ राज्य इन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम मजदूरी, तनाव मुक्त कार्य स्थितियों से संबंधित उनकी अन्य चिंताओं को दूर करने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस आगामी 2025-26 वित्तीय वर्ष के बजट में देश के गिग वर्कर्स जिनकी संख्या एक करोड़ से भी अधिक है, उन सभी कामगारों को पहचान देने के लिए पंजीकरण करने और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इससे उम्मीद जगी है और इसी तरह की उम्मीद कारपोरेट जगत के कामगारों में जगाने की जरूरत है क्योंकि यहां के कर्मचारी भी जबरदस्त तनाव में रहते हैं। ये लोग औसतन दस घंटे से कहीं अधिक समय तक काम करने को मजबूर हैं। कर्मचारियों को बेहतर परिणाम देने के लिए प्रेरित करना और उनकी क्षमताओं का सही आकलन करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। संतुलित कार्यसंस्कृति न केवल कर्मचारियों को संतुष्टि प्रदान करती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और समर्पण को भी बढ़ाती है।

जनता क्यों वंचित है वनाधिकारों से?

कुलभूषण उपमन्यु

प्रदेश में राजस्व भूमि का प्रावधान इसीलिए किया गया था कि बढ़ती आबादी और विकास की जरूरतों के लिए भूमि उपलब्ध की जा सके। हिमालय में पर्यावरण की दृष्टि से वनों का प्रबंधन करने की जरूरत है हिमाचल प्रदेश में सरकारें वन अधिकार कानून 2006 को लागू करने के मामले में काफी दुविधा में रही हैं और जो कानून 2008 में अधिसूचित हो गया, उसे लागू करने की प्रक्रिया 2012 में शुरू कर पाई। पहले तो सरकार यह कहती रही कि यह कानून हिमाचल में लागू ही नहीं होता। फिर कई सामाजिक संस्थाओं ने इसके बारे में केंद्र सरकार से स्पष्टता के लिए आग्रह किया और वहां से निर्देश प्राप्त करने के बाद सरकार कानून को लागू करने के लिए तैयार हुई, किन्तु केवल जनजातीय क्षेत्रों के लिए। फिर कानून से संबंधित अन्य परंपरागत वनवासी शब्द पर जानकारी केंद्र सरकार से प्राप्त करके हिमाचल सरकार से आग्रह किया गया कि पूरा हिमाचल अन्य परंपरागत वनवासी की श्रेणी में आता है और यहां के वासी अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर करते हैं। तब जाकर गैर जनजातीय क्षेत्रों में भी सरकार ने कानून को लागू करने का काम शुरू करने की घोषणा की। किन्तु इसकी प्रक्रिया का पहला कदम, वन अधिकार समितियों का राजस्व मुहल स्तर पर गठन करके प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया। कुछ एक स्वयंसेवी संस्थाओं ने दावे भरने की जटिल प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों में वन अधिकार समितियों को सिखा कर काम आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया ताकि यह प्रक्रिया प्रदर्शित करने और अन्य वन अधिकार समितियों तक सरकार को प्रशिक्षण कार्य आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके और जहां जरूरी हो वहां सहयोग भी दिया जा सके। किन्तु सरकार इस दिशा में कुछ भी करने से बचती रही, जैसे कि इस कानून को लागू करना स्वयंसेवी संस्थओं की ही जिम्मेदारी हो। इस कानून के तहत ब्रिटिशकालीन वन कानूनों द्वारा ऐतिहासिक शोषण की बात स्वीकार की गई और उसे दुरुस्त करने का प्रयास करने की बात कही गई। इस कानून के तहत वनों पर निर्भर जनजातीय और अन्य परंपरागत वनवासी समुदायों को मुख्यत: तीन तरह के अधिकार देने की बात कही गई। एक, जनवरी 2005 से पहले यदि कोई वनवासी वन भूमि पर अपनी आजीविका के लिए खेती कर रहा है, या आवास और पशुशाला बना कर वन भूमि का प्रयोग कर रहा है तो उस भूमि पर उसे

प्रयोग का अधिकार देना। दूसरा, वन भूमि से जिन बरतनदारी अधिकारों का उपयोग अपनी आजीविका जरूरतों के लिए कर रहा है, उनको कानूनी मान्यता देना। और तीसरा बरतनदारी वाले वनों में प्रबंधन में भूमिका देना। इसके अतिरिक्त स्थनीय जरूरतों के तेरह कामों के लिए एक हेक्टेयर तक वन भूमि के उपयोग को बदलने की सहमति और संस्तुति देकर वन मंडलाधिकारी के स्तर पर ही वन भूमि के प्रयोग में बदलाव करवा लेना, ताकि स्थानीय विकास कार्यों के लिए वन संरक्षण अधिनियम 1980 की लंबी प्रक्रिया से बचा जा सके, जिसके अंतर्गत वनभूमि के उपयोग में बदलाव की स्वीकृति केंद्र सरकार के स्तर पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से लेनी पड़ती है जो बहुत ही कठिन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही संभव हो पाता है। इतने जनहित के लिए उपयोगी प्रावधानों और हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश के लिए जरूरी प्रावधानों वाले कानून को लागू करने में सरकार लंबे समय तक निष्क्रियप्राय: ही बनी रही। आज दिन तक कुछ दावे जनजातीय क्षेत्र में ही स्वीकृत हो सके हैं और अन्य परंपरागत क्षेत्रों के मामूली दावों को ही स्वीकृति मिली है, जिनकी संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है, जबकि यह काम तो दो-ढाई लाख परिवारों से संबंधित है। जो भी प्रगति हुई है, उसमें भी दावे भरवाने का काम स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया गया है। असल में इस कानून को लागू करवाने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सरकार इस जिम्मेदारी से बच सकती है? अगर नहीं तो सरकार को तत्काल इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य शुरू करना चाहिए। पूरे प्रदेश में इस काम को करने की सामर्थ्य सरकार के सिवा किसी के पास नहीं हो सकती। इस कानून के लिए दावे प्रपत्र भर कर वन अधिकार समिति के माध्यम से दावे उपमंडल स्तरीय समिति के पास जाएंगे, वहां से पारित होकर जिला स्तरीय समिति के पास जाएंगे, जहां दावों की सत्यता की जांच करके उन्हें मंजूर किया जाएगा। दावे प्रपत्र भरने की प्रक्रिया भी काफी तकनीकी है जो उचित प्रशिक्षण के बिना संभव नहीं है। जब इस सारी प्रक्रिया और कानून के प्रावधानों का लोगों को कानों-कान पता ही नहीं हो तो कैसे उम्मीद की जा सकती है कि दावे भरे जाएंगे। इस कमी का फायदा उठा कर कुछ जगहों पर पंचायत सचिवों से यह प्रमाणपत्र लेने के भी प्रयास किए गए हैं कि कोई भी दावा प्राप्त नहीं हुआ। जब तक बताया ही नहीं गया, तब तक दावे भरने कौन आ सकता था। इन तमाम खेलों से लगता है कि सरकारें इस कानून को टालमटोल से लटका कर निपटा देना चाहती हैं। इस पर जो सबसे चिंता की बात हुई, वह है माननीय उच्च न्यायालय द्वारा तमाम अवैध कब्जों को सख्ती से बेदखल करने के आदेश।

पढ़े-लिखे लोग ज्यादा कर रहे आत्महत्या : आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

कर्नाटक से अहिंसा, संस्कार पदयात्रा लेकर कानपुर पहुंचे जैन समाज के आचार्य श्री

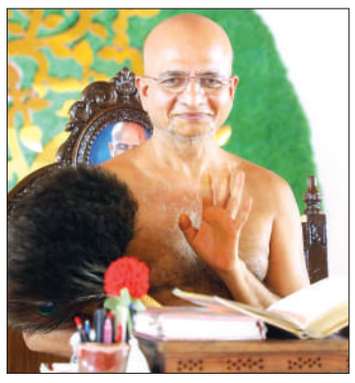

कानपुर (विश्व परिवार)। आज भौतिकवाद में फंसे पढ़े-लिखे लोग ज्यादा आत्महत्या कर रहे हैं। पढ़े-लिखे लोग भी अवसाद में जाकर पागलपन का शिकार हो रहे हैं क्योंकि माता-पिता अपने बच्चों को संस्कार नहीं दे पा रहे हैं। यह बातें अहिंसा, संस्कार पद यात्रा के तहत कर्नाटक से कानपुर पधारे जैन मुनि आचार्य श्री 105 प्रसन्न सागर महाराज ने मंगलवार को रतनलाल नगर स्थित जैन मंदिर में कहीं।

आचार्य ने कहा कि आज के दौर में अधिकतर लोगों में झुंझलाहट, झुंझलाहट चिड़चिड़ापन, घुटन देखने को मिल रही है। बात-बात पर झुंझलाना और चिड़चिड़ाना हमारा स्वभाव बनता जा रहा है। अपनी उम्मीदों को दुनिया वालों से कम से कम रखें और सुखी रहे। सफलता खुशी की चाबी नहीं है, बल्कि खुशी सफलताओं की चाबी है। धन के साथ धर्म का होना भी जरूरी = उन्होंने कहा कि धन के साथ धर्म का सामंजस्य होना चाहिए। सामंजस्य बनाकर जीने वालों की नैया कभी नहीं डूबती है। धर्म औषधि है और धन मलहम है लेकिन आज के दौर में इसका उलटा हो रहा है। धन को औषधि की तरह गटका जा रहा है और धर्म की ऊपर से लगाया जा रहा हैको मलहम की इंसान के अंदर नैतिकता खत्म होती जा रही है। उदाहरण देते हुए बताया कि इंसान धर्म को पूजने के लिए मंदिर तो जाता है लेकिन मंदिर जाने के दौरान रास्ते में सड़क दुर्घटना में घायल की मदद करने में संकोच करता है। नैतिकता के बिना धर्म के मार्ग पर नहीं चल सकते। प्रवचन कहते श्री प्रसन्न सागर जी महाराज व पीयूष सागार जी महाराज। रतनलाल नगर स्थित जैन मंदिर में प्रवचन सुनते लोग।

हौसला बुलंद हो तो हल्ला मत करो, साबित करो- जैन मुनि ने कहा कि अगर शुभ कार्य करना है तो ज्यादा मत सोचो, शुरू कर दो, अगर श्रेष्ठ हैं तो वादा मत करो, करके दिखाओ। हौसला बुलंद हो तो हल्ला मत करो, साबित करके दिखाओ। आज की जिंदगी में कहने का नहीं, करके दिखाने का वक्त है। इस दौरान भजनों की धुन पर श्रद्धालु जमकर थिरके। बता दें कि, जैन मुनि आचार्य श्री 105 प्रसन्न सागर महाराज अब तक देश के 30 प्रांतों में 1.25 लाख किलोमीटर की पदयात्रा कर चुके हैं। इस अवसर पर नीलू व संजीव जैन ने मंदिर के हॉल की फॉल सीलिंग का कार्य कराने की घोषणा की।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

'महोत्सव जैनधर्म का' राजा कच्छ और महाकच्छ के दरवाजे पहुंची युवराज आदिकुमार की बारात

महाराजा नाभिराय के दरबार में युवराज आदिकुमार का हुआ राज्याभिषेक, 32 मुकुटबद्ध राजाओं ने महाराजा आदिकुमार को भेंट दी

लौकांतिक देवों ने उठाई पालकी वन में जाकर ऋषभदेव ने ली जैनेश्वरी दिगम्बर दीक्षा

- महाराजा आदिकुमार ने कर्मभूमि के प्रारंभ में षट्कर्मों की शिक्षा देकर सृष्टि का संचालन किया
- ऋषभदेव ने अपनी दोनों पुत्रियों (ब्राह्मी और सुंदरी) को अंक विद्या और लिपि विद्या का ज्ञान दिया
- नृत्यांगना नीराँजना के नृत्य के दौरान मृत्यु को देखकर ऋषभदेव को आया वैराग्य

झांसी (विश्व परिवार)। महानगर के बड़ागांव गेट बाहर अयोध्या नगरी के भव्य पांडाल में मुनिश्री विलोकसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर जी महाराज के मंगल सान्निध्य एवं मुख्य प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी संजय भैया एवं सह प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी नवीन भैया के निर्देशन में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत युवराज आदिकुमार की बारात राजा कच्छ श्रीमति सिद्धि-सौरभ जैन सर्वज्ञ और महाकच्छ श्रीमति विनोदकुमारी-रमेश चंद जैन के दरवाजे पहुंची जहां युवराज आदिकुमार के तिलक सम्मान सहित सभी राजा महाराजाओं का स्वागत सत्कार किया गया। महाराजा नाभिराय के स्वरूप में मनोज नायक ने युवराज आदिकुमार का राज्याभिषेक किया गया तत्पश्चात 32 मुकुटबद्ध राजाओं के स्वरूप में दिनेश जैन डीके, रविन्द्र जैन रेल्वे, विनोद जैन ठेकेदार, जितिन जैन अछरौनी, राजेश जैन लाला, मुकेश वीडियो, विशाल सिंघई, सुकमाल जैन, सौरभ जैन बैंक, दिव्यांश सिंघई, आदर्श जैन, यश सिंघई, राजेन्द्र जैन महरौनी, विमल जैन दीनदयाल नगर, मुकेश नायक चिरगांव, ने दरबार में महाराजा के समक्ष भेट समर्पित की। तत्पश्चात महाराजा आदिकुमार ऋषभदेव ने कर्मभूमि के प्रारंभ में सृष्टि के संचालन हेतू असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य, शिल्प की शिक्षा देते हुए अपनी दोनों पुत्रियों ब्राह्मी और सुंदरी को अंक विद्या और साहित्य लिपि का ज्ञान दिया। दरबार में नृत्यांगना नीराँजना के मृत्यु के दृश्य को देखकर संसार को क्षणभंगुर जान वैराग्य धारण कर वन में जाकर दिगम्बर जैनेश्वरी दीक्षा धारण की। नृत्यांगना नीराँजना के रूप में कु.ऐरा जैन और प्रियल जैन ने राज्य दरबार में नृत्य प्रस्तुत किया। लौकांतिक देवों के स्वरूप में हर्ष नायक, शुभम जैन छोटू, शुभम जैरी, आदि को पालकी उठाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विनीता जैन एसडीएम निवाड़ी एवं मनीषा जैन एसडीएम निवाड़ी का तिलक माल्यार्पण कर अभिनंदन महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमति सरोज जैन, डॉ राखी जैन, अंजू जैन, कल्पना जैन, सुधा सर्राफ, सविता जैन, श्वेता जैन, मनीषा सिंघई, नेहा जैन, रंजना जैन ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर सौधर्म इन्द्र श्रीमति उषा-रविन्द्र सिंघई, कुबेर इंद्र श्रीमति श्वेता-नितिन जैन, भरत चक्रवर्ती श्रीमति पूनम-संजीव जैन मिनी चिरगांव, महायज्ञनायक श्रीमति कल्पना-अरविन्द जैन कामरेड, बाहुबली श्रीमति कनिका-शशांक जैन, यज्ञनायक श्रीमति प्रिया-प्रतीक जैन, ईशान इन्द्र श्रीमति ममता-जितेन्द्र चौधरी, सानतकुमार इन्द्र श्रीमति रश्मि-गौतम जैन (सुपाड़ी), माहेन्द्र इन्द्र श्रीमति मेघा,- प्रदीप जैन महरौनी, राजा श्रेयांस श्रीमति सुलोचना-सनत नायक, राजा सोम श्रीमति प्रियंका-अमरेन्द्र ड्योढिया, विधिनायक प्रतिमा पुण्यार्जक श्रीमति रंजना-आलोक जैन, महामंडलेश्वर श्रीमति अनीता-इंजी.अनिल जैन, श्रीमति नेहा-अलंकार जैन, श्रीमति अंजू-रवींद्र जैन रेल्वे, श्रीमति प्रभा-दिनेश जैन दीनू, विशेष इंद्र श्रीमति सविता-विनोद जैन ठेकेदार, श्रीमति मनीषा-मनोज सिंघई, श्रीमति निकिता-सजल जैन चैनू, जिनेन्द्र जैन शामयाना, लहर जैन, वीरेन्द्र चौधरी, रमेश चंद्र जैन बिजली, सीए रूपाली जैन, आरती जैन, मेघा जैन सहित अनेकों इन्द्र इंद्राणियों स्वरूप में श्रावक श्राविकाओं ने तप कल्याणक की मांगलिक पूजन के अर्घ समर्पित किए।

इस अवसर पर अवसर पर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के मुख्य मार्गदर्शक अजित जैन, अध्यक्ष संजय सिंघई, कार्याध्यक्ष खुशाल जैन, मुख्य संयोजक दिनेश जैन डीके, स्वाताध्यक्ष रविन्द्र जैन रेल्वे, कार्यक्रम संयोजक विनोद जैन ठेकेदार, परम संरक्षक हुकुमचंद जैन, मुख्य सलाहकार रमेश चंद्र जैन अछरौनी, जिनेन्द्र सर्राफ, प्रदीप जैन चैनू, उपाध्यक्ष वरुण जैन आदि उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीरसागर जी महाराज ससंघ की मंगल अगवानी डोंगरगढ़ में शनिवार को प्रात: कालीन बेला में होगी

विदिशा (विश्व परिवार)। युग शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं वर्तमान आचार्य श्री समयसागर सागर महाराज के आज्ञानुवर्ती परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीरसागर जी महाराज का ससंघ आगमन शनिवार को प्रात:कालीन बेला में होने की सम्भावना है। प्रवक्ता आविनाश जैन विद्यावाणी एवं प्रचार प्रमुख निशांत जैन ने बताया मुनि संघ का मंगल विहार नागपुर से डोंगरगढ़ की ओर चल रहा है संघ का विहार करा रहे नागपुर दि. जैन परवार समाज के ट्रस्टी श्री शीतल जैन ने बताया संघ में क्षु.श्री मननसागर, क्षु.श्री विचारसागर, क्षु.श्री मगन सागर,क्षु.श्री विरलसागर एवं संघस्थ ब्रहम्चारी साथ में चल रहे है। मुनिसंघ का रात्रि विश्राम डोंगरगांव में हुआ गुरुवार की आहार चर्या श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर देवरी में होगी तथा शनिवार को प्रात:कालीन बेला में चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ में मंगल अगवानी होने की पूर्ण सम्भावना है। श्री दिगम्बर जैन अतिशय महातीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरी ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारियों ने मुनिसंघ की भव्य मंगल अगवानी करने की अपील की है। इस अवसर पर चंद्रगिरी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री किशोर जैन, महामंत्री निर्मल जैन, कोषाध्यक्ष श्री सुभाष चन्द जैन, चंद्रकांत जैन, अनिल जैन, सप्रेम जैन,विद्यायतन के अध्यक्ष श्री विनोद बडजात्या, निखिल जैन, नरेश जैन, अमित जैन, दीपेश जैन उपस्थित थे। उक्त जानकारी निशांत जैन (निशु) द्वारा दी गयी। **-अविनाश जैन**

मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज का ससंघ आज भाटापारा में होगा मंगल प्रवेश

भाटापारा (विश्व परिवार)। चर्या शिरोमणि आचार्य गुरुवर विशुद्ध सागर महाराज जी के परम परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज जी एवं क्षुल्लक श्री 105 श्रेय सागर महाराज जी का मंगल प्रवेश एवं गरिमामई आगवानी आज भाटापारा की पावन धरा पर दोपहर 3 बजे होने जा रही है। जैन समाज अध्यक्ष पीयूष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि मुनि संघ का विहार लगातार हजारीबाग से इंदौर की ओर चल रहा है,जिसमें 4 दिन का प्रवास भाटापारा में होने जा रहा है और इस प्रवास में समाज द्वारा श्री दिगंबर जैन परवार पंचायती मंदिर के तत्वाधान में बाल ब्रह्मचारी अंकित भैया जी भिलाई के कुशल निर्देशन मेंभव्य त्रिदिवसीय समवशरण विधान एवं 16 तारीख दिन रविवार को1008 श्री पद्मप्रभ भगवान के मोक्ष कल्याणक के दिन भाटापारा नगर के इतिहास में पहली बार नवनिर्मित रजत सिंहासन एवं छत्र की स्थापना मंदिर जी की बेदी में की जावेगी। इस कार्यक्रम की शुरुआत में 13 तारीख को दोपहर में मुनि श्री की ढोल बाजे, नगाड़ों,ध्वजा के साथ भव्य आगवानी, घटयात्रा एवं पात्रचयन होगा।तदोपरांत 14,15,16 तारीख को विधान का आयोजन किया जाएगा जिसमें छत्तीसगढ़ की संपूर्ण जैन समाज के श्रद्धालु सम्मिलित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। जैन समाज के साथ-साथ नगर के सभी साधर्मी बंधु इस कार्यक्रम को लेकर अति उत्साहित है। **-पीयूष जैन**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दाऊ कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी दानशीलता के लिए विख्यात समाजसेवी दाऊ कल्याण सिंह की 13 फरवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दाऊ कल्याण सिंह जी समाज के उत्थान के लिए समर्पित ऐसे प्रकाश स्तंभ थे जिनकी दानशीलता और उदारता सदैव प्रेरणा देती रहेगी। दाऊ कल्याण सिंह एक युगदृष्टा थे जिन्होंने छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य और सार्वजनिक सेवा के लिए अद्वितीय योगदान दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दाऊ कल्याण सिंह ने अस्पताल, पुस्तकालय, कॉलेज, जलाशय जैसी जनहितकारी संस्थाओं के लिए कई एकड़ भूमि दान में दी।

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महामुनिराज के करकमलों से सिरसाड मुंबई में 2 मार्च 2025 को भव्य जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी

राजिम (विश्व परिवार)। चर्या शिरोमणि परमपूज्य गुरुवर आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महामुनिराज के करकमलों से सिरसाड मुंबई में 2 मार्च 25 को भव्य जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी। दीक्षार्थी भाईयों की दीक्षा पर बिनौली एवं गोद भराई का कार्यक्रम पूरे देश में आनंद सम्पन्न हो रहा है।

माघ पूर्णिमा को जब सारा देश त्रिवेणी संगम में स्नान कर अपने पूर्व कृत पापों का प्रक्षालन कर रहा था। ऐसे शुभ अवसर पर गुरुवर की विशेष कृपा हम राजिम वासियों पर हुई। आज हमें भी सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र रूपी त्रिवेणी में अवगाहन करने का पुण्य अवसर प्राप्त हुआ। इसी तारतम्य में गुरुकृपा से दिगम्बर जैन समाज राजिम को भी दीक्षार्थी भाईयों की बिनौली, गोद भराई एवं सम्मान करने का मंगल अवसर प्राप्त हुआ। सभी भैया जी ने प्रात: ही मंदिर पहुंचकर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन की तत्पश्चात पंचायत कमेटी द्वारा सभी भाइयों का तिलक लगाकर, मुकुट एवम् माला पहना कर अभिनंदन किया गया, फिर मंदिर जी से जैन भवन तक सभी दीक्षार्थी भाईयों की बिनौली गाजे बाजे के साथ निकाली गई। जैन भवन पहुंचने पर सभी साधारणियों ने उनकी अगवानी कर उन्हें मंच पर विराजमान किया। सभी के मंचासीन होने पर कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर जी के छायाचित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसका सौभाग्य रमेश पहाड़िया, सुरीत जैन, राकेश चौधरी, सुरेन्द्र जैन, सुधीर सिंघई, को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात श्रीमती अभिलाषा जैन द्वारा अपनी सुमधुर आवाज में मंगला चरण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के संचालक संजय राजू द्वारा दीक्षार्थी भाषियों के साथ पधारे बालब्रह्मचारी अक्षय भैया जी से सविनय निवेदन किया गया कि सभी भाइयों का परिचय देवें। भैया जी ने सभी का परिचय कराया। सभी भाइयों ने अपने जीवन में धर्म का प्रवेश कैसे हुआ और वैराग्य का बीज कैसे जगा इस पर अपने प्रवचनों के माध्यम से उपस्थित जन समूह को अवगत कराया। इसके पश्चात सभी भाइयों की गोद भराई प्रारंभ हुई जिसमें पंचायत कमेटी, सलाहकार समिति, कार्यकारिणी, पाठशाला परिवार, औषधालय समिति, महिला मंडल, बहु मंडल, बालिका मंडल, नसिया जी समिति, मंदिर निर्माण समिति एवं उपस्थित आबाल वृद्ध सभी ने गोद भराई सम्पन्न की।

भाइयों को आहार देने का सौभाग्य श्री अशोक आकाश गंगवाल, श्री आशीष चौधरी, श्री अम्बर सिंघई तथा संजय राजू जैन परिवार को प्राप्त हुआ। सभी भैया जी ने अरिहंत कालोनी स्थित श्री पार्श्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद सभी भैया जी फाफाडीह रायपुर हेतु रवाना हो गए। **-संजय राजू जैन**

मां सृष्टि का अनुपम उपहार

जीवन में मां महात्मा और परमात्मा का योगदान सबसे बड़ा होता है

कोटा (विश्व परिवार)। मनुस्मृति ग्रंथ में कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।। जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नही होती है, उनका सम्मान नही होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं।भारत में जितने भी ऋषि मुनि दिव्य महापुरुष, त्यागी, तपस्वी देश भक्त हुए है उन सब की माताओं के जीवन चरित्र जरूर पड़ना चाहिए। एक मां जो संस्कार बच्चे में डाल सकती है वो संस्कार सौ शिक्षक मिलकर भी नहीं डाल सकते। मां महात्मा ओर परमात्मा तीनो का जीवन में बड़ा महत्वपूर्ण स्थान होता है मां बचपन को सवार देती है महात्मा जवानी को सुधार देता है और परमात्मा बुढ़ापा को सवार देता है।दुनिया में सबसे बड़ा चलाता फिरता शिक्षालय है तो वो है मां। मां के द्वारा दिए गए सद संस्कार पचपन की दहलीज पार करने के बाद भी ज्यो के त्यों बने रहते है। मां से जीवन है हमारा अस्तित्व है वजूद है मां नही तो कुछ नहीं। किसी ने कितना खूबसूरत लिखा है मेरी जिंदगी में गर खुशियों का बसर है इसमें जरूर मेरी मां की दुवाओ का असर है। मां को धरती की उपमा दी जाती है। विपरीत परिस्थितियों में मां धैर्य को धारण करती है।भारतीय संस्कृति में मां का स्थान परम पूजनीय, वंदनीय, अभिंदनीय रहा है। यदि धरती पर जितने समुद्र नदिया जलाशय है उनकी स्याही बना ली जाए और जितने वन उपवन है उनकी कलम बना ली जाए तब भी मां की मां की महिमा गरिमा को नही लिखा जा सकता।एक ह्रमाँ का अपने बच्चों के ऊपर इतने परोपकार होते है, अगर बच्चा दस जन्म भी लेगा तो अपनी माँ का कर्ज नहीं उतार पायेगा। जिनके जीवन में मां बाप का प्यार है वो बड़े भाग्य शाली है। **-पारस जैन पार्श्वमणि**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के चरण जहाँ पड़ जाए वह भूमि पवित्र हो जाती है : मुनिश्री सिद्धसागर जी महाराज

बारामती/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज जी के परम शिष्य श्रमण मुनी श्री सिद्धसागर महाराज जी ने बताया की आचार्य विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ का विहार मुंबई की ओर शुरु हैं। नमोस्तु शासन को निरंतर जयवंत करने वाले दिगंबर जैनाचार्य विशुद्धसागरजी महाराज अत्यंत प्रेरणास्पद हैं। आप निरंतर ज्ञान-ध्यान-तप एवं शास्त्र स्वाध्याय में लीन रहते है। आपने अपनी आगमानुसार चर्या से, आचरण साधना से, अपनी आध्यत्म-पियुष देशाना से जैन समाज और समग्र श्रमणसंस्कृती को आकर्षित किया है। आपके वाणी में समयसार झलकता है।

आपकी मुद्रा में जिन मुद्रा का दर्शन मिलता है। धरती पर चलते-फिरते धरती के देवता हैं आप। आचार्य श्री जिनसेन स्वामी जी ने लिखा है कि पंचमकाल में दिगंबर मुनि ही अरिहंत हैं। वर्तमान में पूज्य आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज हमारे महावीर स्वामी जैसे ही हैं।

चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के चरण जहाँ पड जाते हैं, उस भूमी का कण -कण पवित्र हो जाता है। आप जैनदर्शन के एवं नमोस्तु शासन के उगते दिवाकर हैं। आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी जैनजगत को साहित्य का अनुपम उपहार दे रहे हैं।

आचार्य श्री विशुद्धसागरजी आध्यात्म सरोवर के राजहंस हैं। आपके चारित्र में संयम का नीर भरा है। जिसके जीवन में गुरू नहीं, उसका जीवन शुरु नहीं। आपकी गुरु के प्रति भक्ति और गुरु का आपके प्रति वात्सल्य को सुनकर हमारे हृदय पर अमिट छाप छोडता रहा। समाधिस्थ गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी गुरुदेव के अंतिम उपदेशानुसार, आध्यात्म सरोवर के राजहंस आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी को पट्टाचार्य पद सुमतिधाम, इंदौर में प्रदान किया जायेगा।

27 अप्रैल 2025 से 2 मई 2025 तक सुमतिधाम इंदौर (म. प्र) में पट्टाचार्य महामहोत्सव का आयोजन किया है। 30 अप्रैल, अक्षय तृतीया के दिन पट्टाचार्य-पदारोहण के संस्कार होंगे। श्रमण संस्कृति के समाधिस्त गणाचार्य श्री विरागसागर महाराज जी की जन्म जयंती 2 मई 2025 को बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी।

-अभिषेक अशोक पाटील

मंगलकारी द्रव्यों से पंचामृत अभिषेक करने से पुण्य की प्राप्ति होती हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

भोपाल (विश्व परिवार)। पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज मुंगाणा नगर में संघ सहित विराजित है आचार्य श्री संघ सानिध्य में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं।

आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में चमत्कारी श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर भव्य पंचायत अभिषेक विभिन्न द्रव्यों से समाज अध्यक्ष करनमल मैदावत ने परिवार सहित किया। सुगंधित जल, शांति धारा का मंत्रोच्चार आचार्य श्री ने किया। भक्ति पूर्वक मंगल कारी द्रव्यों से पंचामृत अभिषेक करने से पुण्य की प्राप्ति होती है यह मंगल देशना आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने अभिषेक के महत्व पर प्रतिपादित की। आचार्य संघ की आहार चर्या के बाद दोपहर को स्वाध्याय, शाम को श्रीजी की आरती आचार्य श्री की आरती के बाद संस्कार शिविर के माध्यम से मुनि श्री हितेंद्र सागर जी द्वारा सरल भाषा में श्रावक द्वारा की जाने वाली क्रियायो बाबद उपदेश दिया जा रहा हैं।

राजेश पंचोलिया अनिरुद्ध ने बताया कि मुनि हितेंद्र सागर ने संस्कार शिविर में भगवान के दर्शन की विधि, अभिषेक क्यों करना चाहिए, पंचामृत अभिषेक से क्या पुण्य की प्राप्ति होती है मंत्रोच्चार शुद्ध करना चाहिए, दर्शन स्तुति, चार कषाय जीव अजीव के भेद आदि पर अपना उपदेश दिया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को संघ सहित अपने नगर खूता, धरियावद प्रवेश हेतु सकल समाज द्वारा श्रीफल भेंट कर निवेदन किया गया। इसके पूर्व आचार्य श्री की शिष्या आर्यिका दर्शना मति ने बालकों को संस्कार घर पर देने का महत्व बताया। गुरु डाक्टर वैद्य होते है जो अपने अमृत उपदेश से संसार भ्रमण जन्म मरण से छुटकारा पाने की राह बताते हैं। प्रवचन में श्रीपाल पचौरी, बाबूलाल पचौरी, रमेश दोशी, धनपाल पचोरी,रमेश मैदावत, देवेन्द्र पचौरी, कांतिलाल जैकनावत सहित काफी संख्या में श्रावक, श्राविकाएं उपस्थित रहे। प्रतिदिन होने वाले धार्मिक कार्यों में समाज द्वारा उत्साह भक्ति पूर्वक भाग लिया जा रहा हैं। **-राजेश पंचोलिया**

गायत्री परिवार रजौटी ने 'हम बदलेंगे युग बदलेंगे' का किया आव्हान

30 लोगों ने गायत्री विद्या संस्कार किया ग्रहण

दो दिवसीय पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का समापन

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय से नजदीक इचकेला रजौटी स्थित अम्बा बगीचा में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का समापन हुआ। इस दौरान गायत्री परिवार रजौटी ने हम बदलेंगे युग बदलेंगे का आव्हान किया। यह महायज्ञ विगत 10 से 11 फ़रवरी को गायत्री परिवार रजौटी द्वारा आयोजित किया गया। सोमवार को माता गायत्री के तैलिय चित्र पर पूज अर्चन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी विदुल सिंह ने हजारों की संख्या में कलश यात्रा में भाग ले रहीं माताओं- बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा कलश सामुहिक शक्ति का प्रतीक है और शक्ति को धारण करने का सौभाग्य प्रकृति ने नारी को ही प्रदान किया है। उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति के यज्ञ पिता और माता गायत्री हैं।यज्ञ अर्थात सत्कर्म गायत्री अर्थात सद्बुद्धि है। आज व्यक्ति सद्बुद्धि के स्थान पर दूर बुद्धि सत्कर्म स्थान पर दुष्कर्म को अपनाकर स्वयं अपने एवं परिवार समाज के लिए अनेक समस्याएं उत्पन्न कर लिया है।

हथकरघा को बढ़ावा देने की दिशा में श्रमदान का महत्वपूर्ण कदम

भोपाल (विश्व परिवार)। मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन से मुलाकात के दौरान, श्रमदान टीम (रौनक भैया) ने उन्हें हाथ से बुने हुए जैकेट का सम्मानपूर्वक उपहार दिया। यह भेंट न केवल हमारे देश की पारंपरिक हथकरघा कला को संजोने का प्रयास है, बल्कि बुनकरों के आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। श्रमदान ब्रांड, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में हथकरघा उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए समर्पित है, अब तक सैकड़ों बुनकरों को स्वावलंबी बना चुका है। इस अवसर पर टीम ने हथकरघा उद्योग को और अधिक बढ़ावा देने की बात की। यह प्रयास 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 13 फरवरी 2025

नगरीय निकाय मतदान के लिए मतदाताओं में दिखा गजब का उत्साह

सुबह से ही मतदान केंद्रों में पहुंचे मतदाता, पूरे जोश में दिखे नए मतदाता

प्रशासन ने मतदाताओं की सुविधा के लिए किए हैं सभी जरूरी इंतजाम

जशपुरनगर(विश्व परिवार)। नगरपालिका जशपुर सहित नगर पंचायत पत्थलगांव, कोतबा, कुनकुरी और बगीचा में आज पार्षद और अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहा है। मतदान करने को लेकर मतदाताओं में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। सुबह से ही मतदान केंद्रों में भारी भीड़ है। लोग लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। प्रशासन ने भी सभी मतदान केंद्रो में मतदाताओं की सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए हुए हैं। इसके साथ ही मतदान केंद्रों में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किया गया है। लोकतंत्र की इस पर्व में नए मतदाता से लेकर वयोवृद्ध मतदाताओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया है। मतदान केंद्रों में बुजुर्ग और दिव्यांग व किसी कारणवश चलने-फिरने में असमर्थ लोगों के व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही उन्हें केंद्रों तक लाने के लिए भी वाहन का भी इंतजाम किया गया है। मतदान केंद्रों में पेयजल की व्यवस्था, रैंप, छायादार विश्राम की व्यवस्था सहित आपात कालीन स्थिति के लिए प्राथमिक उपचार की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा एनएसएस, स्काउट गाइड के युवा वालिंटियर मतदाताओं का हर तरह से सहयोग कर रहे हैं। मतदान केंद्र शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहली बार मतदान करने आई इशिका सिंह काफी खुश हैं। उन्होंने बताया की मतदान करना हम सभी का अधिकार है। मैंने पहली बार मतदान के अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी सहभागिता निभाई है। इसी तरह शासकीय कन्या प्राथमिक शाला में पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर रही प्रियांशी यादव ने अपनी खुशी जाहिर की और सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी प्रलोभन में आए मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 85 वर्षीय शिवनंदन प्रसाद सिन्हा वोट करने आए। उनमें मतदान करने को लेकर काफी उत्साह था। वे बीमारी के कारण चलने-फिरने में अक्षम थे। उन्हें मतदान केंद्र युवा वालिंटियर्स के द्वारा मतदान केंद्र में व्हीलचेयर से ले जाया गया। जहां उन्होंने मतदान किया और सभी को मतदान करने का संदेश देते हुए कहा कि मैंने अपना वोट दे दिया है। अब आप सभी की बारी है की अपना मतदान देकर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। सेना मेडल से सम्मानित भूतपूर्व सेनानी 81 वर्षीय श्री अरूण कुमार ने भी लोकतंत्र की इस पर्व में अपना मतदान कर अपनी सहभागिता निभाई। वे 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में शांभा सेक्टर में पोस्टेड थे। उन्होंने दुश्मन देश को अपनी वीरता का लोहा मनवाया। उन्होंने कहा की पहले वे सीमा पर दुश्मनों से देश की रक्षा में अपनी भूमिका निभाई अब लोकतंत्र का सिपाही बनकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने मतदान कर आया हूं। उन्होंने युवाओं को मतदान के लिए बढ़-चढ़ के लिए भाग लेने का संदेश भी दिया।

संक्षिप्त समाचार

कांटाघर के सामने पलटा राखड़ लोड ट्रेलर, केबिन में फंसा वाहन चालक

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कोरबा-कटघोरा मार्ग पर ग्राम गोपालपुर के आगे सड़क किनारे कांटा घर के पास राखड़ लोड ट्रेलर पलट गया। इसमें वाहन चालक बाल-बाल बच गया। बताया जा रहा हैं की वाहन को पीछे करते समय ट्रेलर का पहिया गड्ढे में जाने से अनियंत्रित हो गया। वजन अधिक होने पर केबिन ऊपर टंग गया था। वाहन चालक केबिन में ही फंसा रहा। बाद में उसे नीचे उतरा गया। मुख्य मार्ग के किनारे निजी कांटा घर है। बाँध से राखड़ लेकर आने वाले वाहन इसी स्थान पर तौल कराते हैं, लेकिन कांटा घर के आसपास की जमीन समतल नहीं है। यहां पर गड्ढे होने से आए दिन वाहन दुर्घटना का शिकार होते हैं। कांटावर संचालक की लापरवाही से सड़क भी खराब हो रही है। इसे समतल नहीं किया जा रहा है। मुख्य मार्ग पर होने पर भी प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है।

धूल से बचाने कराया पानी का छिड़काव

कोरबा(विश्व परिवार)। राजस्व कॉलोनी व हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की सडक की खुदाई की गई थी। यहां नगर निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने का काम किया जाना है। इसके लिए खोदी गई सडक की मिट्टी सडक के किनारे फैला छोडकर ठेकेदार अपना काम पूरा मान लिया था। साथ ही दो दिन बाद मिट्टी समतलीकरण करने की आधी-अधूरी कवायद की गई थी। इसके कारण कॉलोनीवासियों केसाथ आसपास के स्कूलों में पढने वाले बच्चे भारी वाहन गुजरने से धूल का गुबार से परेशान होते थे। सोमवार को नगर निगम द्वारा अनुबंधित ठेकेदार ने कॉलोनीवासियों को धूल से बचाने के लिए अधूरे मिट्टी समतलीकरण को पूरा कराने का काम शुरू किया है। वहीं धूल से उडने से होने वाली परेशानी से बचाने के लिए पानी का छिडकाव कराया गया। हालांकि पानी का छिडकाव होने के कुछ घंटों तक धूल नहीं उड़ी लेकिन जैसे ही पानी सूखा सडक से फिर धूल उडनी शुरू हो गई थी। वहीं दोपहर बाद तक ठेकेदार अपने कुछ मजदूरों को लगाकर सडक से मिट्टी की सफाई कराने में जुटा हुआ था।

महाशिवरात्रि तक चलने वाला किसान मेला से पूरी तरह किसान गायब

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कटघोरा में महाशिवरात्रि तक चलने वाला किसान मेला काफी भीड़ जुटाना में सफल हो रहा है यह बात अलग है कि पिछले कुछ वर्षों से इस मेले में किस नहीं आ रहे हैं जबकि मेला उनके नाम को समर्पित है। पुलिस थाना के सामने मीना बाजार ग्राउंड में इस मेले का आयोजन गणतंत्र दिवस से किया गया है कई प्रकार के झूले इंटरटेनमेंट के साथ-साथ बच्चों के खिलौने और लोगों के जरूरत की चीज इस मेले में उपलब्ध हैं। मिली जुली संस्कृति और लोगों को एक स्थान पर एकत्रित करने के लिए मेल को अच्छा माध्यम माना जा रहा है। कटघोरा में यह मेला कितने वर्ष पहले शुरू हुआ इस बारे में ज्ञात इतिहास तो नहीं है लेकिन लोग बताते हैं कि उनके हिसाब से यह ऐतिहासिक तो है ही। लोगों का कहना है बहुत वर्ष पहले मेला की शुरुआत इस उद्देश्य की गई थी कि कृषि कार्य पूरे होने के बाद किसानों के पास पर्याप्त समय अगले सीजन के लिए हुआ करता था ऐसे में उन्हें फुर्सत के कुछ दिन देने के हिसाब से मेला प्रारंभ किया गया। बताया जाता है कि उसे समय मेला में किसानों की उपस्थिति होती थी और उनसे संबंधित चीजे पहुंचती थी बात के दौर में परिवर्तन हो गया और फिर इसकी तस्वीर अलग हो गई। इन दोनों नगरी निकाय चुनाव के चक्कर में मेला में भेदभाव कुछ ज्यादा नजर आ रही है अनुमान है कि वर्ष 2025 में लगभग 1 महीने तक चलने वाले किसान मेले में करोड़ों का व्यवसाय होगा

मतदान केंद्रों में मतदाताओं का सहयोग कर रहे एनएसएस व स्काउट गाइड के कैडेट्स

महासमुंद(विश्व परिवार)। नगरीय निकाय चुनाव अंतर्गत सभी वर्ग के मतदाताओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। जिसके अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के सहयोग के लिए एनएसएस व स्काउट गाइड के कैडेट्स मतदान केंद्रों में दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने एवं व्हील चेयर, पेयजल, प्राथमिक स्वास्थ्य उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे है। वरिष्ठ मतदाताओं ने कहा कि इनके सहयोग से ही हम मतदान केन्द्र तक वोट डालने पहुंचे है। प्रशासन की यह अच्छी सुविधा है। जिसके लिए उन्होंने प्रशासन की सराहना की। सभी प्रकार की सुविधाएं मिलने से मतदाता बढ़-चढ़कर वोटिंग में हिस्सा ले रहे है।

नगरीय निकाय चुनाव में मतदान के दौरान कई जगह ईवीएम मशीन हुई खराब-मतदाता हो रहे परेशान

कोरबा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मतदान जारी है। मतदान शाम 5 बजे तक होगा। कोरबा नगर निगम में भी मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं कुछ मतदान केंद्रों में ईवीएम मशीन में खराबी की शिकायत मिल रही है। बताया जा रहा है कि मशीन खराब होने से लोग वोटिंग नहीं कर पा रहे हैं। नगर निगम के 66 वार्डों में पार्षद पद के लिए कुल 277 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। यहां 297 मतदान केंद्रों पर 2.67 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके अलावा दीपका, कटघोरा, बांकीमोंगरा, पाली और छुरीकला क्षेत्र में भी मतदान होगा। वही वार्ड नंबर 20 में मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर विवाद की स्थिति बनी है। मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थक आमने-सामने है। आरोप है कि वार्ड नंबर 20 और वार्ड नंबर 18 में दोनों जगह मतदाताओं के नाम है, जहां एक दूसरे के प्रत्याशी अलग-अलग वार्डों में पुराने सूची के हिसाब से वोट डाल रहे हैं। इसे लेकर भाजपा प्रत्याशी चंद्रलोक सिंह ने आपत्ति जताई है, वहां ड्यूटी पर तैनात नोडल अधिकारी के बहस भी हुई। कटघोरा नगर पालिका वार्ड नंबर 15 के मतदान केंद्र क्रमांक 21 में ईवीएम मशीन आधे घंटे तक खराब था। इंजीनियर ने मशीन ठीक किया जिसके बाद मतदान फिर से सुचारू रूप से चालू हुआ। इस दौरान मतदाताओं की लंबी लाइन लग गई।

जमीन घोटाले के मामले में पटवारी, कंप्यूटर ऑपरेटर सहित 11 पर दर्ज हुआ प्रकरण

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के विकासखंड करतला के ग्राम चोरभट्ठी में लगभग 250 एकड़ जमीन घोटाले के मामले में पुलिस ने हल्का पटवारी और उसके सहयोगी कप्यूटर ऑपरेटर के अलावा सरकारी जमीन को अपने नाम कराने वाले 11 लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कथित आरोपियों पर दस्तावेजों में कूटरचना कर सरकारी जमीन को निजी लोगों के नाम पर चढ़ाने का आरोप है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से इनकी परेशानी बढ़ गई है और उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। विकासखंड करतला अंतर्गत ग्राम चोरभट्ठी में लगभग 250 एकड़ जमीन घोटाले के आरोप में पुलिस ने हल्का पटवारी के निजी सहयोगी कप्यूटर ऑपरेटर और जमीन को निजी नामों पर चढ़ाने वाले लोगों को आरोपी बनाया गया है। जिस जमीन की हेराफेरी की गई है वह जमीन सरकारी रिकार्ड में बड़े झाड़ का जंगल था और इसे पटवारी, उसके सहयोगी ने मिलकर 50 टुकड़ों में बांटा और इसे 10 लोगों के नाम पर चढ़ा दिया। आरोपियों के विरुद्ध दस्तावेजों में कूटरचना कर पटवारी और उसके कप्यूटर ऑपरेटर के साथ मिलकर सरकारी जमीन पर अपने नाम कराने का आरोप लगा है। मुकदमा जिला प्रशासन की ओर से करतला के तहसीलदार ने लिखवाई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में प्रशासन की ओर से कुछ दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य दस्तावेजों की मांग की गई है। इसके मिलते ही आरोपियों की धरपकड़ शुरू की जाएगी। पुलिस ने कहा कि इस मामले में शामिल अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया जा सकता है और इससे संबंधित सभी जरूरी तथ्य जुटाए जाएंगे।

कुदमुरा रेंज के पांच स्थानों पर विचरण कर रहे हाथियों का दल, दहशत में ग्रामीण

कोरबा(विश्व परिवार)। वनमंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज में 45 हाथी पांच अलग-अलग स्थानों पर झुंड बनाकर घूम रहे हैं जिससे ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। वहीं बड़ी संख्या में हाथियों के विचरण करने से वन विभाग को भी निगरानी करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी हाथियों की मौजूदगी वाले व आसपास के गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को लगातार सतर्क कर रहे हैं। इस कार्य में ड्रोन कैमरे के अलावा मैदानी अमले की मदद ली जा रही है जो हाथियों की हर गतिविधियों की जानकारी अधिकारियों को दे रहे हैं। हाथियों के आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचते ही वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को सतर्क करने के साथ हाथियों को खदेडने की कोशिश में लग जाते हैं जिससे अब तक बड़ा नुकसान हाथी नहीं पहुंचा पाए हैं। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इन दिनों रेंज के कुदमुरा परिसर में 35 हाथी दो अलग-अलग झुंडों में सक्रिय हैं जबकि 8 हाथी चचिया परिसर तथा एक-एक लोनर गुरमा व कलमीटिकरा में डेरा डालकर वन विभाग व ग्रामीणों की चिंता बढ़ाए हुए हैं। हाथियों के विचरण करने के कारण चुनाव कार्यों में भी बाधा आ रही है। पंचायत चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी अपना चुनाव प्रचार भी हाथियों के डर के मारे ढंग से नहीं कर पा रहे हैं।

शहर की दीवारों पर नजर आ रहीं जिले के पर्यटन व दर्शनीय स्थल की झलक

राहगीर हो रहे आकर्षित, पर्यटन को बढ़ावा व स्वच्छता सर्वेक्षण में मिलेगा फायदा

कोरबा(विश्व परिवार)। स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए शहर में किए जा रहे सौंदर्यीकरण के साथ ही टी.पी. नगर मुख्य मार्ग के किनारे दीवारों पर जिले के पर्यटन, दर्शनीय स्थल व पिकनिक स्पॉट के पोस्टर लगाए गए हैं। इससे राहगीर आकर्षित हो रहे हैं, साथ ही उन्हें एक झलक में ऐसे स्थलों की जानकारी मिल रही है। कोरबा जिला प्रदेश में पावर हब है, जो औद्योगिक विकास के साथ-साथ अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। यहां जंगल, पहाड़ी एक से क्षेत्र में एक पर्यटन व दर्शनीय स्थल है। इसके अलावा कई पुरातात्विक स्थल भी हैं। ऐसे स्थलों की झलक अब शहर में टी.पी. नगर क्षेत्र में सीएसईबी चैक से शारदा विहार मोड़ तक मुख्य मार्ग के किनारे सौंदर्याकरण के लिए बनाई गईं दीवारों पर नजर आ रही हैं। दरअसल नगर निगम ने अनूठी पहल करते हुए दीवारों पर जिले के पर्यटन, दर्शनीय स्थल के - आर्कषक पोस्टर लगाए जा रहे हैं। शहर में लगाए जा रहे पोस्टर में प्रमुख मंदिर, झरने, पहाड़ी क्षेत्र व बांध भी शामिल है। जिसमें मंदिर मडवारानी मंदिर, सर्वमंगला मंदिर, पाली का प्राचीन शिव मंदिर, चैतुरगढ़ मंदिर, सतरेंगा, बुका, देवपहरी जलप्रपात, रानी झरिया जलप्रपात, केंदई जलप्रपात, नकिया जलप्रपात, रामदरबार, फुटहामुड़ा जोगी सुरंग, परसाखोला, केसला, झोराबाट, डूमरडीह, कॉफी पाइंट, टाइगर पाइंट, सिल्वर जुबली पार्क, शहर का अप्पू गार्डन, अशोक वाटिका सहित अन्य स्थल शामिल है। शहर में सौंदर्याकरण अभियान के तहत वीआईपी रोड किनारे व जिला मुख्यालय में कलेक्टोरेट के आसपास वॉल पेंटिंग्स का काम चल रहा है। वहीं टी.पी. नगर क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे बनाए गए दीवार पर अब आर्कषक स्थलों की पोस्टर लगने से जहां पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहीं इसका फायदा स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान भी मिलेगा। क्योंकि शहर में सुंदरता के लिए भी अंक मिलते हैं।

सिम्स मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक ने एचओडी पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (ष्टद्बरू) बिलासपुर में एक महिला चिकित्सक ने मेडिसिन विभाग के प्रमुख (।ह्वष्ठ) पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में अनुचित व्यवहार, मानसिक उत्पीड़न और शारीरिक अस्वीकृति का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।पीड़ित महिला डॉक्टर, जो कि एमडी मेडिसिन द्वितीय वर्ष की पोस्ट ग्रेजुएट रेसिडेंट हैं, ने मेडिसिन विभाग के डॉ. पंकज टेंभूर्निकर के खिलाफ छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने पिछले आठ महीने से लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। महिला चिकित्सक ने बताया कि जब वह आपातकालीन ड्यूटी पर थीं, तब डॉ. टेंभूर्निकर ने उनका मोबाइल फोन छीनकर फेंक दिया। इसके अलावा, उन्होंने मौखिक दुर्व्यवहार और अनुचित स्पर्श किए जाने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता ने कहा कि इन घटनाओं के कारण वह गंभीर मानसिक तनाव में हैं और उनका कार्य प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ डॉक्टर्स फेडरेशन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा और मामले की निष्पक्ष जांच एवं उचित कार्रवाई की मांग की है। फेडरेशन ने यह भी कहा कि यदि त्वरित कार्रवाई नहीं होती है, तो वे कानूनी कदम उठाने को बाध्य होंगे। इस गंभीर मामले के सामने आने के बाद ष्टद्बरू प्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 6 फरवरी को एक आपात बैठक बुलाई। बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए= डॉ. अमित कुमार ठाकुर को पीजी स्टूडेंट्स का रोस्टर, उपस्थिति, वर्कबुक एवं लॉग बुक का प्रभारी नियुक्त किया गया। सभी पीजी छात्र अब सीधे ।ह्वष्ठ से संपर्क न करके डॉ. ठाकुर से मार्गदर्शन लेंगे। डॉ. पंकज टेंभूर्निकर को विश्वविद्यालय की परीक्षाओं से अलग रखा गया है, क्योंकि कुछ पीजी रेसिडेंट उनके रिश्तेदार हैं। महिला पीजी रेसिडेंट द्वितीय वर्ष को मेडिसिन विभाग के ।ह्वष्ठ की यूनिट में पोस्टिंग नहीं दी जाएगी। इस मामले की जांच जारी है और डॉक्टर्स फेडरेशन उचित न्याय की मांग कर रही है।

सरगुजा कलेक्टर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

अम्बिकापुर(विश्व परिवार)। नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 अंतर्गत सरगुजा जिले के नगर पालिका निगम अंबिकापुर, नगर पंचायत सीतापुर और नगर पंचायत लखनपुर में मतदान प्रकिया सुचारू रूप से जारी है। कलेक्टर विलास भोसकर ने मल्टीपरपज स्कूल, वन मंडल अधिकारी परिसर अंबिकापुर में बनाए गए विभिन्न मतदान केंद्रों का जायजा लेकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्रों में पहुंचकर मतदान कक्षों का अवलोकन किया तथा मतदाताओं के लिए आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में जानकारी ली तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान हेतु दिशा निर्देश दिए। इसी तरह कलेक्टर ने नगरपंचायत लखनपुर के आदर्श मतदान केंद्र 07, मतदान केंद्र क्रमांक 6 एवं मतदान केंद्र क्रमांक 4 का निरीक्षण कर मतदाताओं से मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं पर फीडबैक भी लिया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर, गुरूवार 13 फरवरी 2025

व्यापार समाचार

भारत में 2047 तक कोयले की मांग 1,755 मिलियन टन पहुंचने का अनुमान : केंद्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में कोयले की मांग 2030 तक 1,462 मिलियन टन (एमटी) और 2047 तक 1,755 एमटी तक पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी सोमवार को सरकार द्वारा दी गई। वैश्विक स्तर पर पांचवें सबसे बड़े भूगर्भीय कोयला भंडार और दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता के रूप में, कोयला एक मुख्य ऊर्जा स्रोत बना हुआ है, जो राष्ट्रीय ऊर्जा मिश्रण में 55 प्रतिशत का योगदान देता है। पिछले दशक में मुख्य रूप से कोयले से चलने वाली ताप विद्युत संयंत्रों ने कुल बिजली उत्पादन में 74 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। कोयला मंत्रालय के कहा, रिन्यूएबल स्रोतों में मजबूत प्रगति के बावजूद बिजली की मांग में तीव्र वृद्धि के कारण ताप विद्युत पर निर्भरता जारी रखना आवश्यक हो गया है। अनुमान है कि 2030 तक इसकी हिस्सेदारी 55 प्रतिशत और 2047 तक 27 प्रतिशत हो जाएगी। आठ कोर उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने दिसंबर 2024 में 5.3 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की, जो दिसंबर 2023 में 204.3 अंकों की तुलना में 215.1 अंक पर पहुंच गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान, कोयला उद्योग सूचकांक पिछले वर्ष के 167.2 अंकों से बढ़कर 177.6 अंक हो गया, जो 6.2 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है, जो सभी कोर उद्योगों में सबसे अधिक है। आठ मुख्य उद्योगों के संयुक्त सूचकांक ने पिछले वर्ष की तुलना में दिसंबर 2024 में 4 प्रतिशत की समग्र वृद्धि दिखाई है। इसके अतिरिक्त कोयला क्षेत्र भारतीय रेलवे के माल ढुलाई आय का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है और लगभग 4.78 लाख व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला उत्पादन 997.82 मिलियन टन (एमटी) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2014-15 में 609.18 एमटी से मजबूत वृद्धि दर्शाता है। अकेले वित्त वर्ष 2023-24 में पिछले वर्ष की तुलना में उत्पादन में 11.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2020 में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी की शुरुआत के साथ एक ऐतिहासिक नीतिगत सुधार आया, जिसने निजी क्षेत्र की भागीदारी और आधुनिक तकनीकी अपनाने को प्रोत्साहित किया।

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला

मुंबई(एजेंसी) । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में खुला। सुबह 9:30 बजे सेंसेक्स 172 अंक या 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,138 और निफ्टी 69 अंक या 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,315 पर था। बाजार के गिरने की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित स्टील और एल्युमिनियम उत्पादों पर 25 प्रतिशत का टैरिफ लगाना है। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिल रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 648 अंक या 1.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 51,855 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 250 अंक या 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,398 पर बना हुआ है। बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाला इंडेक्स इंडिया विक्स 1.66 प्रतिशत बढ़कर 14.69 पर बना हुआ है। चॉइस ब्रोकिंग के आकाश शाह के मुताबिक, निफ्टी के लिए 23,260 एक अहम सपोर्ट है। अगर यह इसे तोड़ता है तो 23,000 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, तेजी की स्थिति में 23,460 एक रुकावट का स्तर है। अगर यह टूटता है तो 23,550 और 23,700 के स्तर देखने को मिल सकते हैं। सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, मारूति सुजुकी, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, एचयूएल, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और आईटीसी टॉप गेनर्स हैं। जोमैटो, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स हैं। निफ्टी के आईटी, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंसियल सर्विसेज, फार्मा, रियल्टी, मेटल और एनर्जी इंडेक्स में बिकवाली है। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, बैंकॉक और सियोल के बाजार हरे निशान में हैं। हांगकांग, शंघाई और जकार्ता के बाजार लाल निशान में हैं। कच्चे तेल में तेजी देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 76.15 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.57 डॉलर प्रति बैरल पर है।

एयरो इंडिया 2025 : अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने दिखाई 'मेक इन इंडिया' की ताकत

नई दिल्ली(एजेंसी)। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने सोमवार को बेंगलुरु में चल रहे एयरो इंडिया 2025 में अपनी क्षमता दिखाई और कई आधुनिक हथियार प्रदर्शित किए। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के लैंड सिस्टम के प्रमुख, अशोक वधावन ने कहा कि हम अपनी क्षमताएं विकसित कर रहे हैं। हम किसी भी खतरे को पता लगाने वाले डिफेंस प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में हमारे पास छोटे ड्रोन से लेकर बड़े ड्रोन हैं, जिसके जरिए हम कमरे से लेकर हवा में टारगेट कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम अनमैन्ड अंडरवाटर व्हीकल (यूयूवी) भी बना रहे हैं, जो कि 15 दिनों तक पानी में रहकर खतरे का पता लगा सकता है। इसके अलावा हम काउंटर ड्रोन भी बना रहे हैं। एयरो इंडिया 2025 में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने व्हीकल माउंटेड काउंटर ड्रोन सिस्टम प्रदर्शित किया है। यह डिफेंस उपकरण 15 किलोमीटर तक डिटेक्ट कर सकता है, जबकि 10 किलोमीटर तक न्यूट्रलाइज कर सकता है। इसके अलावा अदाणी ग्रुप की डिफेंस कंपनी ने कामिकेज ड्रोन भी प्रदर्शित किया है। यह काफी घातक ड्रोन माना जाता है। इसकी रेंज 200 किलोमीटर है और यह 16 किलो तक का वारहेड ले जा सकता है और 8 घंटे हवा में रह सकता है। अदाणी डिफेंस और एयरोस्पेस पैवेलियन एयरो इंडिया 2025 में कई रक्षा हथियारों, मानव रहित वाहन, उपकरण और कई अन्य चीजों को प्रदर्शित करने वाले सबसे आकर्षक पैवेलियन में से एक है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस भारत के रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। अदाणी डिफेंस और एयरोस्पेस ने लगातार तीसरी बार एयरो इंडिया में भाग लिया है।

अमेरिकी खिलाड़ी टाइगर वुड्स ने मां के निधन के बाद जेनेसिस इनविटेशनल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। टाइगर वुड्स इस सप्ताह जेनेसिस इनविटेशनल में नहीं खेलेंगे, जहां वे टूर्नामेंट के मेजबान हैं, क्योंकि अमेरिकी खिलाड़ी ने कहा कि वे अपनी मां के निधन को अभी भी भूल रहे हैं। वुड्स ने कहा, मैंने इस सप्ताह खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन मैं अभी तैयार नहीं हूं। मैंने तैयारी करने की पूरी कोशिश की, यह जानते हुए कि मेरी मां यही चाहती होंगी, लेकिन मैं अभी भी उनके निधन को भूल रहा हूं। सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझसे संपर्क किया। मुझे उम्मीद है कि मैं इस सप्ताह के अंत में टॉरी में रहूंगा और अपनी मां के निधन के बाद से निरंतर दयालुता की सराहना करता हूं, वुड्स, जिनकी मां कुल्टिडा का पिछले सप्ताह 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था, ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा। जेक नैप मैदान में 82 बार के पीजीए टूर विजेता की जगह लेंगे। नैप की सबसे पुरानी गोल्फ मेमोरी 2006 डब्ल्यूजीसी-एक्सेंचर मैच प्ले चैंपियनशिप में वुड्स को स्टीफन एम्स को 9 और 8 से हराते हुए देखना और वुड्स के कैडी स्टीव विलियम्स द्वारा उन्हें मैच की एक गेंद फेंकना है। वुड्स की पीजीए टूर पर आखिरी प्रतिस्पर्धी शुरुआत रॉयल ट्रून गोल्फ क्लब में 2024 ओपन चैंपियनशिप में हुई थी, जहां वह कट से चूक गए थे। वुड्स ने इस साल जुपिटर लिंक्स गोल्फ क्लब के लिए नई तकनीक से भरपूर टीजीएल गोल्फ लीग में दो बार खेला है, जिसकी स्थापना उन्होंने रोरी मैक्लॉय और माइक मैककार्ले के साथ मिलकर की थी। 49 वर्षीय वुड्स ने किशोर बेटे चार्ली के साथ दिसंबर में हुए इवेंट में 36-होल में खेला था। जेनेसिस इनविटेशनल गुरुवार से शुरू हो रहा है और वुड्स के टीजीआर फाउंडेशन को इसका लाभ मिलेगा। यह रिवेरा कंट्री क्लब में होने वाला था, लेकिन लॉस एंजेलिस के जंगल में लगी आग के कारण इसे सैन डिएगो के टॉरी पाइंस में स्थानांतरित कर दिया गया। 49 वर्षीय वुड्स ने किशोर बेटे चार्ली के साथ दिसंबर में हुए इवेंट में 36-होल में खेला था।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ- जोमेल वार्रिकान ने जनवरी के लिए जीता पुरस्कार

नईदिल्ली(एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने जनवरी 2025 के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के स्पिनर जोमेल वार्रिकान को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। उन्होंने पिछले महीने टेस्ट प्रारूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारत के वरुण चक्रवर्ती और पाकिस्तान के नोमान अली को पीछे छोड़ते हुए ये पुरस्कार जीता। दूसरी तरफ महिला वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को ये सम्मान मिला है। बाएं हाथ के स्पिनर वार्रिकान ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल किया, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया था। उन्होंने पहले टेस्ट में कुल 10 विकेट (3/69 व 7/32) और दूसरे टेस्ट में कुल 9 विकेट (4/43 व 5/27) लिए थे। बल्लेबाजी में उन्होंने सीरीज में 85 रन बनाए थे। 2 मैचों की वो टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। चक्रवर्ती ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी-20 की सभी पारियों में कुल 18 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 9.86 की औसत के साथ 14 विकेट लिए थे। उन्होंने सीरीज में एक पारी में 5 विकेट हॉल लेने का कारनामा भी किया। उन्होंने जनवरी माह में 4 टी-20 मैचों में 12 विकेट अपने नाम किए थे। पाकिस्तान के नोमान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली सीरीज में 12.62 की औसत से कुल 16 विकेट लिए थे।

रणजी ट्रॉफी 2024-25- साई किशोर ने विदर्भ के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल में लिए 5 विकेट

नईदिल्ली(एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के दूसरे क्वार्टर-फाइनल में तमिलनाडु क्रिकेट टीम के साई किशोर ने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने विदर्भ क्रिकेट टीम की दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का 12वां 5 विकेट हॉल रहा। उनकी उम्दा गेंदबाजी के चलते ही विदर्भ की दूसरी पारी 272 रन पर सिमट गई। वह पहली पारी में कोई विकेट नहीं ले सके थे। किशोर ने दूसरी पारी में दानिश मालेवार (0) के रूप में अपनी पहली सफलता हासिल की। बाएं हाथ के स्पिनर ने फिर ध्रुव शौरे (20), हर्ष दुबे (64), नचिकेत भुते (6) और आदित्य ठाकरे (0) के विकेट चटकाए। उन्होंने 26 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 78 रन देते हुए ये 5 विकेट हासिल किए। उनके अलावा अजित राम ने 2 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में किशोर ने 20 ओवर में बिना विकेट लिए 48 रन दिए थे। किशोर ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक 46 मैचों की 83 पारियों में 192 विकेट लिए। इस बीच उनका पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देते हुए 7 विकेट लिए। उन्होंने एक मैच में 10 विकेट हॉल लेने का कारनामा भी किया था। दूसरी तरफ बल्लेबाजी में उन्होंने 60 पारियों में 772 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 81 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए हैं। किशोर ने लगातार दूसरे मैच में 5 विकेट हॉल लिया है। इससे पहले उन्होंने अपने पिछले मैच में कुल 8 विकेट लिए। उन्होंने झारखंड के विरुद्ध पहली पारी में 3 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट चटकाए थे। वहीं, इससे पहले चंडीगढ़ के खिलाफ मैच में उन्होंने कुल 7 विकेट चटकाए थे। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट और दूसरी पारी में 4 विकेट अपने नाम किए थे।

अदाणी ग्रुप ने मेयो क्लिनिक के साथ मिलाया हाथ, भारत में हेल्थ कैंपस बनाने के लिए दान किए 6,000 करोड़ रुपये

अहमदाबाद(एजेंसी) । अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अमेरिका स्थित मेयो क्लिनिक के साथ साझेदारी में अदाणी हेल्थ सिटी (एएचसी) शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य विश्वस्तरीय चिकित्सा अनुसंधान, किफायती स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में अग्रणी बनना है। अदाणी परिवार अहमदाबाद और मुंबई में पहले दो एकीकृत स्वास्थ्य परिसरों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का दान देगा। इसमें मुंबई और अहमदाबाद में दो 1,000 बिस्तरों वाले मल्टी-सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनेंगे। 6,000 करोड़ रुपये का यह दान अरबपति उद्योगपति द्वारा अपने बेटे जीत अदाणी की शादी में की गई 10,000 करोड़ रुपये की सामाजिक दान की हाल की घोषणा का हिस्सा है, जिसे विभिन्न सामाजिक कार्यों में लगाया जाएगा। कंपनी ने बताया कि गौतम अदाणी ने देश भर के शहरों और कस्बों में ऐसी और अधिक एकीकृत अदाणी हेल्थ सिटीज बनाने की योजना बनाई है। अदाणी समूह के चेयरपर्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेयो क्लिनिक के साथ साझेदारी में अदाणी हेल्थ सिटी को लॉन्च करने पर गर्व है, जो विश्व स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान, सस्ती स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में अग्रणी बनेगा। उन्होंने आगे कहा, अहमदाबाद और मुंबई में 1,000 बिस्तरों वाले दो अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों से शुरुआत करते हुए, हम पूरे भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा इनोवेशन लाने के मिशन पर हैं। यह एक स्वस्थ, मजबूत भारत के लिए बस शुरुआत है। मेयो क्लिनिक, दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत गैर-लाभकारी चिकित्सा समूह है और यह एएचसी में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इन एकीकृत एएचसी परिसरों में से प्रत्येक में अस्पताल, 150 स्नातक, 80 से अधिक निवासी और 40 से अधिक फेलो के वार्षिक प्रवेश के साथ मेडिकल कॉलेज, स्टेप-डाउन और संक्रमणकालीन देखभाल सुविधाएं और अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं शामिल होंगी।

रिलायंस ने स्पोर्ट्स ड्रिंक बाजार में रखा कदम

मुंबई(एजेंसी)। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने नया स्पोर्ट्स ड्रिंक 'स्पिनर' लॉन्च किया है, जिसे स्पिन के जादूगर मुथैया मुरलीधरन के साथ मिलकर बनाया गया है। यह भारत का सबसे किफायती स्पोर्ट्स ड्रिंक है और सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध होगा। इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर यह ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करता है और तीन फ्लेवर - नींबू, संतरा और नाइट्रो ब्लू में आएगा। कंपनी का दावा है कि अगले तीन वर्षों में स्पोर्ट्स ड्रिंक्स का बाजार 1 अरब डॉलर तक पहुंचेगा, जिसमें स्पिनर बड़ी भूमिका निभाएगा। लॉन्च के साथ ही स्पिनर ने मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटन्स, लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स जैसी आईपीएल टीमों से भी साझेदारी की है। मुथैया मुरलीधरन ने कहा, स्पिनर हर भारतीय को एक्टिव और हाइड्रेटेड रखने में मदद करेगा। वहीं, आरसीपीएल के सीओओ केतन मोदी ने कहा, हमारा लक्ष्य हर भारतीय को किफायती और प्रभावी हाइड्रेशन उपलब्ध कराना है।

एयरटेल ने किया नोकिया के साथ 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस डिवाइसेज़ के विस्तार के लिए अनुबंध, जिससे पूरे देश में हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली: भारती एयरटेल ने पूरे भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 5G फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) और वाई-फाई सलयूशन के विस्तार हेतु नोकिया और क्वालकॉम के साथ एक अनुबंध किया है। इस समझौते के तहत, नोकिया एयरटेल को अपने 5त्न फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (FWA) आउटडोर गेटवे रिसीवर और वाई-फाई 6 एक्सेस पॉइंट की आपूर्ति करेगा, जो क्वालकॉम मॉडेम-RF और वाई-फाई 6 चिपसेट्स पर आधारित होंगे। इस पहल का उद्देश्य उन क्षेत्रों में बेहतर ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करना है, जहां फाइबर कनेक्टिविटी या तो सीमित है या उसे लागू करना चुनौतीपूर्ण है। भारत में फाइबर कनेक्टिविटी की सीमित पहुंच और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण, 5G नेटवर्क के माध्यम से फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड एक्सेस का उपयोग एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। एयरटेल नोकिया के फ़ास्टमाइल 5G आउटडोर रिसीवर का उपयोग करेगा, जो मल्टी-ड्वेलिंग यूनिट्स (बहु-आवासीय भवनों) के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए हैं और एक साथ दो घरों को सेवा देने में सक्षम हैं। इससे कनेक्शन लागत में कमी आएगी। ये रिसीवर्स हाई-गेन एंटेना से लैस हैं, जो लंबी दूरी तक ब्रॉडबैंड एक्सेस में सुधार करते हैं और रेडियो संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करते हैं। इसके अलावा, फ़ास्टमाइल 5G आउटडोर रिसीवर में पावर-ओवर-ईथरनेट (PoE) तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे इसे दीवारों, बालकनी या खंभों पर आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है। एयरटेल घरों में बेहतरीन इंटरनेट का अनुभव सुनिश्चित करने के लिए नोकिया के वाई-फाई 6 एक्सेस पॉइंट का उपयोग करेगा। यह समाधान स्मार्ट मेश क्षमताओं और स्व-ऑप्टिमाइज़िंग नेटवर्क फीचर्स के साथ आता है, जिससे ग्राहकों को अपने पूरे घर में एक शानदार ब्रॉडबैंड अनुभव प्राप्त होगा। इसके अलावा, नोकिया के 5G फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और वाई-फाई 6 एक्सेस पॉइंट उपकरण भारत में ही बनाए जाएंगे और पूरी तरह से रिसाइकिलेबल पैकेजिंग में उपलब्ध होंगे। चीफ टेक्निकल ऑफिसर , भारती एयरटेल, श्री रंदीप सेखों ने इस बारे में कहा, नोकिया और क्वालकॉम के साथ यह साझेदारी हमारे ग्राहकों के लिए एक उत्कृष्ट नेटवर्क अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हमें पूरा विश्वास है कि नोकिया के 5त्न फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और वाई-फाई 6 एक्सेस पॉइंट समाधान हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने में विशेष रूप से उन क्षेत्रों में हमारी मदद करेंगे जहां ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी सीमित है।

प्रेसिडेंट, फिक्स्ड नेटवर्क्स, नोकिया, श्री सैंडी मोटले ने कहा, भारत का विशाल क्षेत्रफल और जनसंख्या घनत्व ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के लिए अनूठी चुनौतियां पेश करता है। उन जगहों पर जहां फाइबर नेटवर्क स्थापित करना मुश्किल है, वहां FW विश्वसनीय वायरलेस ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान कर सकता है। नोकिया और क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज़ के सहयोग से विकसित हमारे 5G FWA और वाई-फाई 6 सलयूशन एयरटेल के ग्राहकों को फाइबर जैसी स्पीड प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे,

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 13 फरवरी 2025

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान, जागरूक मतदाताओं को बधाई : राजेश गुप्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के पाश कॉलोनी शंकर नगर वार्ड क्रमांक 30 से भाजपा प्रत्याशी राजेश गुप्ता ने समस्त वार्ड की शिक्षित एवं जागरूक मतदाताओ को उनके पक्ष में किए गए अमूल्य मत के लिए हृदय से धन्यवाद दिया एवं विश्वास दिलाया की वार्ड के विकास के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा एवं वार्ड वासियों की किसी भी समस्या के लिए उनके साथ सदैव खड़ा रहूंगा शंकर नगर वार्ड को एक स्वच्छ एवं आदर्श वार्ड बनाने में निरंतर सहयोग करता रहूंगा वार्ड वासियों से मिले मत, प्यार एवं आशीष के लिए उनका हृदय से आभारी रहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

वार्ड के देव तुल्य मतदाता बंधुओं को मतदान करने के लिए धन्यवाद: आशु चंद्रवंशी

रायपुर (विश्व परिवार)। वार्ड क्रमांक 40 के समस्त मतदाता बंधुओं का हृदय की असीम गहराइयों से धन्यवाद जिन्होंने अपना अमूल्य मत मुझे एवं हमारी महापौर प्रत्याशी श्रीमती मीनल चौबे को अपना अमूल्य मत दिया एवं अपने मताधिकार का सदुपयोग कर रायपुर के विकास में अपना योगदान दिया आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सभी वार्ड वासी मुझे इसी तरह भविष्य में भी अपना सहयोग एवं समर्थन देते रहेंगे साथ ही मैं उन सभी मित्र जनों शुभचिंतकों एवं अपनों को जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मुझे व मेरे परिवार को सदैव सहयोग दिया उन सभी को भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

मुझे एवं मेरे परिवार को समर्थन एवं सहयोग के लिए आप सभी का आभार : साधना प्रमोद साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। काली माता वार्ड क्रमांक 12 के सभी ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ मतदाता बंधुओं को मेरी एवं मेरे परिवार की ओर से धन्यवाद आप सभी ने अपना कीमती समय देकर अपने अमूल्य मत का उपयोग कर मुझे अपना अमूल्य मत देकर अपना आशीर्वाद दिया आप सभी वार्ड वासियों ने मुझे एवं मेरे परिवार को सदैव अपना समर्थन एवं सहयोग देते रहें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप आगे भी इसी तरह अपना प्यार, स्नेह एवं समर्थन मुझे देते रहेंगे मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आप सभी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगा एवं आप सभी की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रहूंगा पुन: आप सभी को आपके दिए हुए अमूल्य मत एवं सहयोग के लिए सधन्यवाद।

वार्ड के विकास के लिए प्यार, स्नेह व समर्थन के लिए आप सभी को धन्यवाद: कविता अमित दास

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के वार्ड क्रमांक 59 से कांग्रेस की महिला प्रत्याशी कविता अमित दास ने आज अपने वार्ड वासियों को उनके पक्ष मे किए गए मतदान के लिए वार्ड की समस्त मात्रशक्तियों को, देव तुल्य बुजुर्गों को, सभी ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं एवं सभी शुभचिंतकों को उनके द्वारा दिए गए समर्थन एवं सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि आपके द्वारा दिए गए कीमती वोट के लिए आप सभी का मैं जीवन पर्यंत आभारी रहूंगी एवं भविष्य में भी आपका यूं ही प्यार एवं आशीर्वाद मिलता रहे इसकी आकांक्षी रहूंगी मुझे व मेरे परिवार को विगत वर्षों में एवं आने वाले वर्षों में भी आप सभी का अपनापन, सहयोग एवं समर्थन मिलता रहेगा इसी उम्मीद और विश्वास के साथ आप सभी को मैं अपनी ओर से परिवार की ओर से एवं कांग्रेस जनों की ओर से धन्यवाद देना चाहती हूं।

पार्षद पद चुनाव में आप सबका जो सहयोग मिला उसके लिए हृदय से धन्यवाद : अमर गिदवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरी निकाय चुनाव में मुझे आप सब का जो सहयोग मिला है, वह अभूत है। अब इस सहयोग का क्षेत्र के विकास में उपयोग होगा। आपके विश्वास पर खरा उतरना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। मुझे यानि अमर गिदवानी वार्ड क्रमांक 57 की जनता को इस नगरी निकाय चुनाव में साथ देने के लिए हृदय से धन्यवाद! आओ साथ चलें, थाम कर हाथ चलें। आप सभी के वोट के लिए धन्यवाद। मैं वादा करता हूँ कि मैं अपने शब्दों पर खरा उतरूंगा और यह सुनिश्चित करूंगा कि मैं उस पद की पवित्रता को बनाए रखूं जो आपने मुझे दिया है। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि मैं आपकी सभी शिकायतों और चिंताओं को दूर करने में मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करूं। मैं वादा करता हूँ कि आपका वोट सार्थक रहा है।

मेरे द्वारा किया गया वादा मैं जरूर पूरा करूंगा, आप सभी का आभार : देवेंद्र यादव

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के वार्ड क्रमांक 62 के कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने कहा कि श्रद्धेय जनता जनार्दन ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया है। आप सभी को दिली आभार। कांग्रेस के सभी नेताओं/कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में कड़ी मेहनत की है। आप सबों का भी हृदय तल से आभार व्यक्त करता हूँ। आप सब ही हमारी ऊर्जा हैं, हमारी ताक़त हैं। मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुए हैं। परिणाम अब मतपेटियों में बंद हैं। परिणाम जो भी हो आपकी सेवा में जीवन पर्यन्त उपस्थित रहूँगा। मेरे द्वारा किया गया वादा मैं जरूर पूरा करूंगा, आप निश्चिंत रहें आपने अपने कर्मठ उम्मीदवार पर भरोसा जताया है। पार्षद बनने के बाद आने वाला पांच साल आपकी सेवा में समर्पण होगा यह मेरा फिर से वादा रहा। अपने अपने मत का संपूर्ण उपयोग किया इसलिए आप सबका कोटि कोटि धन्यवाद।

आपने जो मुझ पर विश्वास जताया है, उसके लिए आपका धन्यवाद: विशाल पांडेय

रायपुर (विश्व परिवार)। मेरी कर्मठता को देखते हुए आपने जो मुझपर विश्वास जताया है, उसके लिए आपका धन्यवाद। मैं आपका विशाल पांडेय वार्ड क्रमांक 1 हीरापुर की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मतदान के दिन बढ़-चढ़कर मतदान किया। मेरे लिए वोट करने के लिए आप सभी को धन्यवाद। आपने अपने वोट से मुझ पर भरोसा जताया है और मैं इसे बरकरार रखना चाहता हूं।मैं आज फिर से वादा करता हूं कि मैं अपने क्षेत्र के लिए बेहतर काम करूंगा और आप सबके विश्वास को सच में बदलूंगा। धन्यवाद। मुझे कार्यभार सौंपने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत पु:न:आभार। आपके विश्वास के बदौलत मेरे लिए यह चुनाव सफल रहा।

ऑटो एक्सपो में अब तीन दिन शेष, 22 हजार से अधिक वाहन बिक चुके

ईवी वाहनों का है फ्यूचर, लोगों के बीच बढ़ रही है लोकप्रियता

रायपुर (विश्व परिवार)। राडा के द्वारा आयोजित रायपुर के ऑटो एक्सपो में अब तक हजारों लोग विजिट कर चुके हैं, बस अब तीन दिन शेष रह गए हैं। पहले एडिशन से लेकर आठवें एडिशन के पहुंचते तक अब यह पूरे भारत में चर्चित एक्सपो बन चुका है। इस बार के कारोबार ने तो रिकार्ड भी बना दिया है। जिसमें सरकार के द्वारा आजीवन रोड टैक्स पर दिए गए 50 फीसदी की छूट का अहम योगदान रहा है। इस एक्सपो में कार, बाइक, स्कूटर से लेकर हैवी व्हीकल्स की अच्छी बिक्री हो रही है। लेटेस्ट मॉडलों की लॉचिंग पर भी लोगों का रूझान अच्छा रहा। लेकिन इस ऑटो एक्सपो ने दिखा दिया कि ऑटोमोबाइल्स का ईवी फ्यूचर है। एक्सपो में हर दिन कोई न कोई जनप्रतिनिधि, कंपनी अधिकारी, इंडस्ट्री के साथ अन्य सेक्टर के भी नामचीन शख्सियत पहुंच रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार को काफी देर तक एक्सपो स्थल पर रहे, न्यू लॉच टीवीएस अपाचे आरआर 310 की सवारी करते हुए कहा कि दम तो है..। मंगलवार 11 फरवरी को हुई 813 वाहनों की बिक्री से अब तक कुल 22,030 वाहनों की बिक्री हो चुकी है जबकि बड़ी संख्या में अभी बुकिंग है।

राडा के उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी ने बताया कि ऑटो एक्सपो का 15 फरवरी समापन दिवस होगा लेकिन एक दिन पहले 14 फरवरी को क्लोजिंग सेरेमनी का आयोजन करेंगे। जिसमें स्टॉल होल्डर्स से लेकर अन्य सहयोगियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जायेगा। स्टेज प्रोग्राम को लेकर चलने वाला इवेंट इस दिन आखिरी होगा।

टीवीएस अपाचे आरआर 310 : रायपुर ऑटो एक्सपो में पेश टीवीएस अपाचे आरआर 310 की लॉचिंग मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने करते हुए खुद सवारी की और कहा कि बाइक में दम तो है। युवा पीढ़ी को यह काफी पसंद आयेगी। उन्होने कंपनी प्रतिनिधियों से और भी जानकारी इसके बारे ली।

हुंडई का क्रेटा ई की बेहतरीन फीचर्स : हुंडई की नई क्रेटा इलेक्ट्रिक में सेफ्टी के लिए कई तमाम फीचर्स को शामिल किया है। इसमें 6 एयरबैग, एंटी लॉक ब्रेकिंग के साथ ईबीडी, एओएएस लेवल 2, एबीएल ईबीडी, ईएसपी जैसे फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा इस एसयूवी में 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट, की-लैस एंट्री, रियर एसी वेंट्स, वायरलैस फोन चार्जर जैसे फीचर्स देखने को मिलेंगे। इसकी बड़ी खासियत ये भी है कि 58 मिनट में यह फूल चार्ज होगी। नई एसयूवी को दो बैटरी पैक ऑप्शन के साथ उतारा गया है। इसमें एक 51.4 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक होगा जो सिंगल चार्ज पर 472 केएम की रेंज देगा। जबकि 42 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक सिंगल चार्ज पर 390 किमी की रेंज ऑफर करेगा। डीसी चार्जिंग की मदद से 10 प्रश-80 प्रश चार्ज होने के लिए 58 मिनट का समय लगेगा। जबकि एसी होम चार्जिंग की मदद से 10 प्रश-100 प्रश चार्ज होने पर 4 घंटे का समय लगेगा। सिर्फ 7.9 सेकंड्स में यह कार 0-100 किमी/एच की रफ्तार पकड़ सकती है।

नई मारुति सुजुकी डिजायर : 5 स्टार रेटिंग वाला मारूति सुजुकी का यह पहला मॉडल है। न्यू मारुति सुजुकी डिजायर अपनी बेहतरीन फीचर्स के कारण कार चालकों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। पेट्रोल के साथ ही सीएनजी ऑप्शन में पेश इस कॉम्पैक्ट सेडान का नया मॉडल देखने में बेहद आकर्षक है और सबसे खास बात इसके आकर्षक कलर ऑप्शंस हैं, जिनकी फिनिशिंग जबरदस्त है।

एनटीपीसी करेगा रायपुर में भारतीय पावर स्टेशन प्रचालन व अनुरक्षण सम्मेलन (आईपीएस 2025) की मेजबानी

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी रायपुर में 13 से 15 फरवरी 2025 तक भारतीय पावर स्टेशन प्रचालन व अनुरक्षण सम्मेलन (आईपीएस 2025) की मेजबानी करने को तैयार है। यह वार्षिक सम्मेलन 1982 में सिंगरौली में एनटीपीसी की पहली थर्मल पावर स्टेशन इकाई की कमीशनिंग के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है। यह एनटीपीसी के लिए ऐतिहासिक मील

का पत्थर था, जिसने विद्युत क्षेत्र में दशकों की उत्कृष्टता का मार्ग प्रशस्त किया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय केंद्रीय विद्युत और आवास व शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल महोदय द्वारा विद्युत मंत्रालय और विद्युत क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा। जैसा कि एनटीपीसी इस वर्ष अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है, आईपीएस 2025 पहले से कहीं अधिक बेहतर होगा, जिसमें उद्योग के अग्रणी, पेशेवरों और विशेषज्ञों को ज्ञानवर्धक चर्चा करने तथा जानकारी को साझा करने के लिए एक साथ लाया जाता है। आईपीएस 2025 का विषय, विश्वसनीय और सतत उत्पादन, परिसंपत्ति प्रबंधन और ऊर्जा परिवर्तन, जो कि आज बिजली क्षेत्र द्वारा अनुभव किए जा रहे परिवर्तन के दौर को उपयुक्त रूप से दर्शाता है।

आईपीएस 2025 संस्करण को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसके परिणामस्वरूप 400 से अधिक लेखकों ने विद्युत उत्पादन के भविष्य को नए आकार देने वाली अद्यतन तकनीक, सर्वोत्तम कार्यप्रणाली और नवोन्मेषी को प्रदर्शित करते हुए तकनीकी पत्र प्रस्तुत किए हैं। सम्मेलन के दौरान

Indian Power Stations 2025

विभिन्न संगठनों, ओईएम, आईपीपी, सरकारी नियामक और वैधानिक निकायों, विश्वविद्यालयों, ईपीआरआई और दुनिया भर के अन्य प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों द्वारा नब्बे चयनित तकनीकी पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

आईपीएस 2025 का एक प्रमुख आकर्षण टेक्नो गैलेक्सी प्रदर्शनी होगी, जिसमें कई विक्रेताओं और निर्माताओं से अत्याधुनिक तकनीकों, यांत्रिक बुद्धिमत्ता, डिजिटलीकरण और रचनात्मक समाधान शामिल हैं। यह मंच उद्योग के हितधारकों को उन नवाचारों का पता लगाने में सक्षम करेगा जो बिजली संयंत्र संचालन में दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाते हैं। प्रदर्शनी में विभिन्न एनटीपीसी स्टेशनों के मॉडल और प्रदर्शन पर प्रकाश डाला जाएगा, जिनका प्रतिनिधित्व उनके संबंधित क्षेत्रीय मुख्यालयों के माध्यम से किया जाएगा। आईपीएस 2025 का उद्देश्य परस्पर सहयोग, विचार विनिमय और नवाचार को बढ़ावा देकर अधिक विश्वसनीय, कुशल और पर्यावरण रूप से जिम्मेदार बिजली उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करना है। एनटीपीसी लिमिटेड भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी है, जो भारत की विद्युत जरूरतों में एक-चौथाई योगदान देती है और इसकी स्थापित क्षमता 77 गीगावाट से अधिक है, जिसमें निर्माणाधीन 29.5 गीगावाट की अतिरिक्त क्षमता है, जिसमें 9.6 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता शामिल है। कंपनी 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनटीपीसी राष्ट्र को थर्मल, हाइड्रो, सौर और विंड पावर प्लांट्स के विविध पोर्टफोलियो के साथ विश्वसनीय, सस्ती और टिकाऊ बिजली देने के लिए समर्पित है। कंपनी हरित भविष्य के लिए श्रेष्ठ प्रणालियों को अपनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्युत उत्पादन के साथ-साथ, एनटीपीसी ने ई-मोबिलिटी, बैटरी स्टोरेज, पंप हाइड्रो स्टोरेज, वेस्ट-टू-एनर्जी, न्यूक्लियर पावर और ग्रीन हाइड्रोजन सॉल्यूशंस सहित विभिन्न नए व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश किया है। इसने केंद्र शासित प्रदेशों को विद्युत वितरण के लिए भी बोली लगाने में भाग लिया है।

द.पू.म. रेलवे, रायपुर मंडल में अभिनय-अभिज्ञानम्' प्रतियोगिता का आयोजन

अंतर मंडलीय रेलवे स्कूल नाटक प्रतियोगिता 'अभिनय-अभिज्ञानम्' का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा दिनांक 12.02.2025 को अंतर मंडलीय रेलवे स्कूल सांस्कृतिक प्रतियोगिता (नाटक)-2024 'अभिनय-अभिज्ञानम्' के अंतर्गत एकांकी नाटक, एकल अभिनय एवं मिमिक्री प्रतियोगिता का आयोजन 'उल्लास' रेल अधिकारी क्लब रायपुर में किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे मंडल रेल प्रबंधक रायपुर श्री दयानंद उपस्थित थे, स्वागत एवं परिचयात्मक भाषण मिश्रित हा.से.स्कूल बी.एमवाई की प्राचार्या श्रीमती डी. लक्ष्मी द्वारा प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि श्री दयानंद ने उपरोक्त कार्यक्रम के आयोजन मे भागीदारी करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को हमे सहेज कर रखना चाहिए, इस तरह के आयोजन इसका एक उचित माध्यम है, नाटको के माध्यम से हम विभिन्न प्रकार की सामाजिक बुराईयों को दूर कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में द.पू.म.रेलवे के अंतर्गत आने वाले 03 रेलवे स्कूल शहडोल, बी.एम.वाई, नैनपुर, के विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित रंगमंच कलाकार डॉ. कुंजबिहारी शर्मा, श्री शक्ति पद चक्रवर्ती तथा श्रीमती सुमिता बोस पाटिल उपस्थित थे। प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मार्गदर्शन वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग, द्वारा किया गया, आपके संबोधन मे आपने प्रतियोगिता की थीम 'अभिनय-अभिज्ञानम्' के नाम के अलग-अलग आयामों को समझाया। धन्यवाद ज्ञापन, मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल एवं कार्यक्रम का संचालन श्री फरीदी निसार अहमद द्वारा किया गया।

आरडीएसएस की प्रगति, आने लगी लाइन लॉस में कमी, स्मार्ट मीटरिंग अन्य राज्यों से बेहतर

आर.ई.सी. के सीएमडी विवेक देवांगन द्वारा की गई समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आरडीएसएस (रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम) की समीक्षा आज 12 फरवरी, 2025 को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.) के सीएमडी श्री विवेक कुमार देवांगन ने की। उन्होंने छत्तीसगढ़ में इस योजना के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति को उत्साहजनक माना। साथ ही दूसरे राज्यों के अनुभवों से सबक लेते हुए आगामी कार्यवाही में कतिपय सुधारों को अपनाने के सुझाव भी दिए। इस अवसर पर प्रदेश के प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री सुबोध कुमार सिंह, ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव श्री सुनील कुमार जैन, प्रबंध संचालक डिस्कॉम श्री भीमसिंह कंवर सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्रालय स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में आरडीएसएस की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी जिसमें छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन समग्रता में श्रेष्ठ माना गया। इस बैठक में आर.ई.सी. की ओर से कार्यपालक निदेशक श्री राहुल द्विवेदी, श्री टी. चंद्रशेखर सखामुरी, श्री प्रदीप फेलोस उपस्थित थे। पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से एमडी श्री भीमसिंह कंवर ने बिंदुवार जानकारियां उपलब्ध कराई। श्री सुबोध सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य की विशेष परिस्थितियों में आर.डी.एस.एस. के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया। लाइन लॉस कम करने, उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना, नवीनीकरण कार्य के साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति तथा संबंधित विषयों की चर्चा की गई। लाइन लॉस रिडक्शन में छत्तीसगढ़ की 41.35 प्रतिशत उपलब्धि को देश में चौथे नम्बर पर माना गया जो अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में छत्तीसगढ़ 20 प्रतिशत उपलब्धि के साथ देश का तीसरा राज्य है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आरडीएसएस का कार्य 2023 से शुरू हुआ है, जबकि दूसरे राज्यों में यह कार्य 2021 में शुरू हुआ था।

फीडरों में स्मार्ट मीटर लगाने से आए परिणामों के अंकेक्षण को सकारात्मक माना गया क्योंकि इससे राजिम फीडर में लाइन लॉस 66 से घटकर 15 प्रतिशत, रायपुर सिटी साउथ में 35 से घटकर 3 प्रतिशत, अंबिकापुर सिटी में 32 से घटकर 9.16 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़ में 21.88 से घटकर 6 प्रतिशत दर्ज हुआ है।

आर.ई.सी. के सीएमडी विवेक कुमार देवांगन ने कहा कि अन्य राज्यों में आई समस्याओं का अध्ययन कर योजना के क्रियान्वयन में सुधार किया जा सकता है। स्मार्ट मीटरिंग और नेट मीटरिंग के बारे में व्यापक जनशिक्षा और जन-जागरूकता आवश्यक है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उपभोक्ताओं को दिलाने वाले सुधारों का स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर क्रेडा के विशेष सचिव श्री राजेश राणा, ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव श्री सुनील कुमार जैन (आईएएस) छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी श्री आर.ए. पाठक, श्री वी.के. साय, श्री राजेंद्र प्रसाद, श्री ए.एम. परियल, श्री एन. बिंबिसार, श्री जी.के. गंगवानी, श्री मनोज कोसले, श्री आशुतोष कुमार जायसवाल, श्री नरेश बोहरा आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

एक व्यक्ति के देहदान से बच सकती है आठ लोगों की जान

कंपनी के प्रबंध निदेशक भीमसिंह कंवर ने कहा- देहदान से होता है स्वयं का महाकल्याण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ मुख्यालय, रायपुर में आयोजित 'देहदान महादान' विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें देहदान, अंगदान और नेत्रदान का महत्व विस्तार से बताया गया। वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने कहा कि हमारे जीवन का एक लक्ष्य होना चाहिये, मैं कौन हूं और जीवन क्यों मिला है, यह सोचते हैं तो स्पष्ट होता है कि जिंदगी के बाद हम अपने शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिये दान कर सकते हैं, इससे स्वयं का महाकल्याण होता है।

पॉवर कंपनी मुख्यालय में देहदान पर सेमीनार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग के तत्वावधान में यह आयोजन डंगनिया स्थित विद्युत सेवा भवन के सभागार में हुआ। इसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों ने पॉवर पाइंट के माध्यम से जानकारी दी।

एम्स की प्रोफेसर डॉ. मनीषा बी सिन्हा ने देहदान का चिकित्सा शिक्षा में महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक मृत्यु के छह घंटे के भीतर शरीर अस्पताल पहुंच जाना चाहिये, ताकि उस शरीर के अंगों का उपयोग किसी दूसरी जिंदगी को बचाने के लिये किया जा सके। एम्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनय राठौर ने अंगदान के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एक ब्रेनडेड शरीर से आठ लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। छत्तीसगढ़ में अब अंगदान की सुविधाएं विकसित हो चुकी हैं। हाल ही में कोरबा के साहू परिवार ने अपने बच्चे का शरीर ब्रेनडेड के बाद दान दिया, जिसमें हृदय, फेफड़ा, किडनी, लीवर, आंख और अन्य अंग का उपयोग दूसरे जीवन बचाने में किया गया। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विजया साहू ने कहा कि नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। नेत्रदान के लिये परिजनों की जागरूकता जरूरी है। इस अवसर पर महाप्रबंधक वित्त श्री वाईबी जैन, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, डीजीएम श्री पंकज सिंह, परम जीवन फाउंडेशन की श्रीमती अजंता चौधरी, श्री महेंद्र तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविन्द पटेल ने किया।

जलने के बाद
पुन :निर्माण सर्जरी
(रिकंस्ट्रक्शन)

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कांस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354